

टिप्पणी: यदि आपको कोई शिकायत / परेशानी हो तो आप शिकायत निराकरण अधिकारी /लोकपाल से संपर्क कर सकते हैं जिनका पता नीचे दिया जा रहा है. NOTE: In case you have any Complaints/Grievance, you may approach Grievance Redressal Officer/ Ombudsman, whose address is as under:

शाखा कार्यालय का पता / Address of Branch Office					
शिकायत समाधान अधिकारी का पता Address of Grievance Redressal Officer	बीमा लोकपाल का पता Address of Insurance Ombudsman				

टिप्पणी: इन निबंधनों तथा शर्तों और विशेष प्रावधानों /शर्तों की व्याख्या के संबंध में कोई विवाद होने पर अंग्रेज़ी भाष्य विधिमान्य होगा. NOTE: In case of dispute in respect of interpretation of these terms and conditions and special provisions/conditions the English version shall stand valid.

आपसे अनुरोध है कि इस पॉलिसी की जाँच कर लें और यदि कोई ग़लती दिखाई दे तो सुधारने के लिए इसे तुरंत लौटा दें. YOU ARE REQUESTED TO EXAMINE THIS POLICY, AND IF ANY MISTAKE BE FOUND THEREIN, RETURN IT IMMEDIATELY FOR CORRECTION.

> आईआरडीएआई पंजीकरण संख्या : 512 IRDAI Regn No.: 512



एल आई सी का सीमित प्रीमियम एंडोमेंट प्लान (लाभ सहित योजना) भारतीय जीवन बीमा निगम LIC's Limited Premium Endowment Plan (WITH PROFITS)



(जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 द्वारा संस्थापित)/(Established by the Life Insurance Corporation Act, 1956)

भार ते प्राचीय जीवन बीमा निगम को (जिसे यहां बाद में निगम कहा गया है) यहां नीचे संदर्भित अनुसूची में उल्लिखित प्रस्तावक और बीमित व्यक्ति से प्रस्ताव एवंम् घोषणापत्र और प्रथम प्रीमियम की प्राप्ति हुई है और उक्त प्रस्ताव कथा घोषणापत्रपर उसमें निहित तथा उल्लिखित वक्तव्यों सिहत, उक्त प्रस्तावक और निगम के बीच इस बीमें के आधार के रुप में सहमति हो गई है, अतः निगम इस पॉलिसी द्वारा करार करता है कि हित लाभ का भुगतान, किंतु ब्याज के बिना, निगम के उस शाखा कार्यालय में जहाँ इस पॉलिसी के लिए सेवा उपलब्ध कराई जाती है, उस व्यक्ति या उन व्यक्तियों को जिन्हें वह उक्त अनुसूची की शातों के अनुसार देव हो निगम को इस बात का संतोषजनक प्रमाण प्रस्तुत करने पर करेगा कि पॉलिसी दस्तावेज़ की शर्तों अनुसार बीमा राशि, देय हो चुकी है और भुगतान का दावा करने वाला / वाले उसके हकदार हैं और प्रस्ताव में उल्लिखित बीमित व्यक्ति की आयु सही है यदि पहले से स्वीकृत न हों.

और एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि इस बीमा पॉलिसी के पिछले भाग पर मुद्रित परिभाषाएं, लाभों, सेवा कार्यों के पहलुओं से संबंधित अन्य नियम और शर्तों और वैधानिक प्रावधानों के अधीन होगी और निम्नलिखित अनुसूची और निगम द्वारा पॉलिसी पर किए गए हर पृष्ठांकन को उस पॉलिसी का भाग माना जाएगा.

THE LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA (hereinafter called "the Corporation") having received a Proposal along with Declaration and the first premium from the Proposer and the Life Assured named in the Schedule referred to herein below and the said Proposal and Declaration with the statements contained and referred to therein having been agreed to by the said Proposer and the Corporation as basis of this assurance do by this Policy agree, in consideration of and subject to the due receipt of the subsequent premiums as set out in the Schedule, to pay the Benefits, but without interest, at the Branch Office of the Corporation where this Policy is serviced to the person or persons to whom the same is payable in terms of the said Schedule, on proof to the satisfaction of the Corporation of the Benefits having become payable as set out in the Policy Document, of the title of the said person or persons claiming payment and of the correctness of the age of the Life Assured stated in the Proposal if not previously admitted.

योजना एवं पॉलिसी अवधि: Plan & Policy Term: Total Instalment Premium (₹):	मंडल कार्यालयः DIVISIONAL OFFICE:		अनुर	अनुसूची SCHEDULE		शाखा कार्यालयः BRANCH OFFICE:		
Date of Commencement of Policy: कोषिक जार्म के की तिर्धिः Date of Commencement of Policy: कोषिक जार्म के की तिर्धिः कोषिक अर्थम के बी तिर्धिः कुम बीकर की हिम्म (\$): Broad Policy (\$): The Man & Policy (\$) (क्या - क्या के की तिर्धिः कुम बीकर की हिम्म (\$): The Man & Policy (\$) (क्या - क्या के की तिर्धिः कुम बीकर की हिम्म (\$): The Man & Policy (\$) (क्या - क्या के की तिर्धिः (क्या - क्या के को तिर्धिः कि को प्रकार की तिर्धिः कुम पत्र व्यवक कि तिर्धिः अप्रविक विष्य विषयः कुम पत्र व्यवक कि तिर्धिः अप्रविक विषयः अप्रविक विषयः विवक्त विवक्त विषयः विवक्त विषयः विवक्त विषयः विवक्त विवक्त विषयः विवक्त विवक्त विषयः विवक्त विवक्त विवक्त विषयः विवक्त विवक्त विवक्त विषयः विवक्त						प्रीमियम की देय तिथि:		
Date of Commencement of Risk:	Date of	Commencement of Policy:					Mode of payment of premium:	
Plan & Policy Term: (Silferium grieff and Rich : (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for the Life Assured: (Service tax is charged extra recompleted for Rider Conditions of the rider (s) mentioned under condition for Rider 1	Date of	Commencement of Risk:		111316				
Penum Paying Term: परिवरण को रिविश: (Service tax is charged earn and है.) (Service tax is charged earn as applicable from time to time) (Age of the Life Assured: (Whether age Admitted?) (Whether ag			कुल f Total	कुल किश्त प्रीमियम (₹): Total Instalment Premium (₹):				
प्रशेखकात को लिशि: Date of Maturity: Se, चं. हुमा प्रचा चाइडर किल्प्स पूआईएन प्रहर्ज बीमित वाहि प्रहर्ज के लिए हिम्म ग्रीमियम कुमान को देश लिए हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान को हिम्म ग्रीमियम कुमान को देश लिए हिम्म ग्रीमियम कुमान को देश लिए हिम्म ग्रीमियम कुमान को देश लिए हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान को हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान को देश लिए हुम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान कि हिम्म ग्रीमियम कुमान के हिम्म ग्रीमियम कुमान कि हिम्म ग्रीम जुमान ग्रीमियम कुमान कि हिम्म ग्रीमियम जुमान कि हिम्म ग्रीमियम कुमान कि हिम्म ग्रीमियम कुमान कि हिम्म ग्	,	•		,	(समय-समय पर लागू सेवा कर पर अतिरिक्त शुटक लिया जाता है.) (Service tax is charged extra		~	
है. No. Rider Opted UIN Rider Sum Assured Instalment Premium for Rider Due date of payment of last premium for Rider 1 2				(Sen			आयु स्वीकार की गई है या नहीं ?	
it. No. Rider Opted UIN Rider Sum Assured Instalment Premium of Rider Due date of payment of last premium for Rider Isst premium for Rider Rider Rider Rider Rider Rider Isst premium for Rider	क्र. सं.	चुना गया राइडर विकल्प	यूआईएन		राइडर बीमित राशि	राइंडर के लिए किश्त प्रीमियम		राइडर समाप्ति की तिथि
2 3 िटमाणी: माग क (लाम) की शातं क्र. 3 के तहत् उल्लेखित राइडर्स की चर्ते लागू होंगी यदि उपरोल्लेखित राइडर के लिए चुने गए हो. Note: Conditions of the inducity inentioned under condition no. 3 of Part C (Benefits) shall only apply if the above mentioned riders have been opted for. ### आवितियम, 1938 की बाग 39 के अंतर्गत माणित का माः: Name of Nominee under Section 39 of the Insurance Act, 1938: ### Section 1	r. No.	Rider Opted	UIN		Rider Sum Assured		Due date of payment of	Date of rider terminati
है प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बोधन व्यक्ति काम देय हैं प्रश्तावक काम काम विश्व काम देय हैं प्रश्तावक काम काम काम काम काम काम काम काम काम का	1							
ি আৰু কি নাম ক (লাম) की शर्त क .3 के तहत् उल्लेखित राइडर्स की शतें लागू होंगी यदि उपरोल्लेखित राइडर के लिए चुने गए हो. Note: Conditions of the ridder(s) mentioned under condition no. 3 of Part C (Benefits) shall only apply if the above mentioned ridders have been opted for. बीमा अधिनियम, 1938 की बारा 39 के अंतर्गत नामिती का नाम: Name of Nominee under Section 39 of the Insurance Act, 1938: अगर नामित नामिति है, नियुक्त व्यक्ति का नाम: If Nominee is a minor, name of the Appointee: बीमित व्यक्ति का नाम और पता: / Name and address of Proposer: बीमित व्यक्ति का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बीमित व्यक्ति का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured: बामार्थी जिले लाम देव हैं अस्तावक का नाम और पता: / Name and address of Life Assured in Life Assured in Life Assured of the Assignation of Administrators of Administrators of Administrators of Administrators or Other Legal Representatives we should take out representation to his/het Estate or limited to the moneys payable under the policy from any Cour any State or Territory of the Union of India, as applicable and any Representatives we should the Assured of Life Assured. बीमिय कुकाने की अविधि विदेश की स्विधि किया जाए अधिनियम कुकान की निर्चारित लिय ला वा बीमित व्यक्ति की मृत्युक्त की निर्चारित किया जाए. Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications re	2							
Note: Conditions of the rider(s) mentioned under condition no. 3 of Part C (Benefits) shall only apply if the above mentioned riders have been opted for. बीमा অधिनियम, 1938 की धारा 39 के अंतर्गत मासिती का माम: Name of Nominee under Section 39 of the Insurance Act, 1938: अगर मामित माबारिग है, मियुक्त व्यक्ति का माम: If Nominee is a minor, name of the Appointee: बीमित व्यक्ति का माम और पता: / Name and address of Proposer: बीमित व्यक्ति का माम और पता: / Name and address of Proposer: बीमित व्यक्ति का माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक का माम और पता: / Name and address of Proposer: बीमित व्यक्ति का माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक का माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक का माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक माम और पता: / Name and address of Life Assured: अरसावक माम और पता: / Name and address of Life Assured on the Section and Life Assured on the Insurance Act, 1938 of proved Executors or Administrators or other Legal Representatives of the Insurance Act, 1938 of proved Executors or Administrators or other Legal Representatives or Section Assured to the moneys payable under the policy from any Courany State or Territory of the Union of India, as applicable. अरिक्य मुग्तिक मुग	3							
अंतर्गत नामितों या प्रमाणित निष्पादकों या प्रशासकों या अन्य वैधानिक प्रतिनिधियों को जिन्होंने उसकी सम्पदा या इस पॉलिसी के अंतर्गत देय राशि मार लिए भारत संघ के किसी राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी न्यायालय, जो भी लागू हो, से अपने प्रतिनिधिहोने का प्रमाणपत्र प्राप्त किया होगा. The proposer or the Life Assured or his Assignee under section 38 of the Insurance Act, 1938 or Nominees un Section 39 of the Insurance Act, 1938 of proved Executors or Administrators or other Legal Representatives we should take out representation to his/her Estate or limited to the moneys payable under the policy from any Cour any State or Territory of the Union of India, as applicable. प्रीमियम सुकाने की अविध Period during which premiums payable जीमियम के सुगतान की निर्धा तक या बीमित व्यक्ति की मृत्यु तक Till the stipulated due date of payment of last premium or earlier death of the Life Assured. जीमियम भुगतान की तिथि Dates when premium payable निगम की ओर से उपर्युक्त शास्त्रा कार्यालय में इस्ताक्षरित, जिसका पता अंतिम पृष्ठ पर दिया गया है और जिस पते पर इस पॉलिसी से संबंधित समस्त पत्राचार संबंधित किया जाए. Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the polic should be addressed.	Note: C बीमा अधि Name c अगर नामि	Conditions of the rider(s) m ानियम, 1938 की धारा 39 के अंत of Nominee under Section मेत नाबालिग है, नियुक्त व्यक्ति क	nentioned under con तर्गत नामिती का नाम: 39 of the Insurance ा नाम:	ndition no.	3 of Part C (Benefits) shall	only apply if the above me प्रस्ताव क्र.: Proposal No.: प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal: लाभ विवरण संदर्भ क्र.:	,	ted for.
प्रीमियम चुकाने की अवधि Period during which premiums payable Till the stipulated due date of payment of last premium or earlier death of the Life Assured. प्रीमियम भुगतान की तिथि Dates when premium payable निमम की ओर से उपर्युक्त शाखा कार्यालय में हस्ताक्षरित, जिसका पता अंतिम पृष्ठ पर दिया गया है और जिस पते पर इस पॉलिसी से संबंधित समस्त पत्राचार संबोधित किया जाए. Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the polishould be addressed.	Note: C बीमा अधि Name c अगर नागि If Nomi	Conditions of the rider(s) m नियम, 1938 की धारा 39 के अं of Nominee under Section मेत नाबालिंग हैं, नियुक्त व्यक्ति क nee is a minor, name of th	nentioned under con तर्गत नामिती का नामः 39 of the Insurance ा नामः e Appointee:	Act, 1938	3 of Part C (Benefits) shall	only apply if the above me प्रस्ताव क्र.: Proposal No.: प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal: लाभ विवरण संदर्भ क्र.: Benefit Illustration Ref	rerence No.:	ted for.
Dates when premium payable On the stipulated due date in	Note: C बीमा अधि Name c अगर नागि If Nomi प्रस्तावक	Conditions of the rider(s) m नियम, 1938 की घारा 39 के अं of Nominee under Section मेत नाबालिग है, नियुक्त व्यक्ति क nee is a minor, name of th का नाम और पताः / Name and	nentioned under con- तर्गत नामिती का नाम: 39 of the Insurance ा नाम: e Appointee: d address of Propose	प्रस्तावक या अंतर्गत नामि लिए भारत र The prop Section 2 should ta	3 of Part C (Benefits) shall के: बीमित व्यक्ति का नाम और बीमित व्यक्ति का नाम और सेवों या प्रमाणित निष्पादकों या प्रशास संघ के किसी राज्य या संघ या प्रशास राध के किसी राज्य या संघ अधिनयम, 39 of the Insurance Act, 19	only apply if the above me प्रस्ताव क्र.: Proposal No.: प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal: लाभ विवरण संदर्भ क्र.: Benefit Illustration Ref र पता / Name and address of the state of the s	ierence No.: of Life Assured: stab समनुदेशिती को या बीमा कानून : को जिन्होंने उसकी सम्पदा या इस पॉ हो, से अपने प्रतिनिधिहोने का प्रमाण on 38 of the Insurance Act, r Administrators or other Le	अधिनियम 1938 की धारा 35 लेसी के अंतर्गत देय राशि माट त्रप्राप्त किया होगा. 1938 or Nominees unc gal Representatives w
Signed on behalf of the Corporation at the above mentioned Branch Office, whose address is given on the last page and to which all communications relating to the polishould be addressed.	Note: C बीमा अधि Name c अगर नागि If Nomi प्रस्तावक लाभार्थी I Benefic	Conditions of the rider(s) m नियम, 1938 की धारा 39 के अं of Nominee under Section मेत नाबालिंग है, नियुक्त व्यक्ति क nee is a minor, name of th का नाम और पताः / Name and जिसे लाभ देय हैं ciary to whom Benefits paya	nentioned under con- तर्गत नामिती का नाम: 39 of the Insurance ा नाम: e Appointee: d address of Propose	प्रस्तावक या अंतर्गत नाम अंतर्गत नाम उंतर्गत नाम The prop Section 3 Should ta any State	3 of Part C (Benefits) shall के: बीमित व्यक्ति या बीमा अधिनियम, मेतों या प्रमाण अधिनियम, पेतों या प्रमाण अधिनियम, पेतां प्रमाण अधिनियम, पेतां प्रमाण अधिनियम, प	only apply if the above me प्रस्ताव क्र.: Proposal No.: प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal: लाभ विवरण संदर्भ क्र.: Benefit Illustration Ref र पता / Name and address of the state of limited to the India, as applicable.	ierence No.: of Life Assured: of Life Assured: में के समनुदेशिती को या बीमा कानून र को जिन्होंने उसकी सम्पदा या इस पों हो, से अपने प्रतिनिधिहोंने का प्रामाण on 38 of the Insurance Act, r Administrators or other Le e moneys payable under the	अधिनियम 1938 की धारा 3९ लेसी के अंतर्गत देय राशि माट त्रप्राप्त किया होगा. 1938 or Nominees und gal Representatives w
	Note: C बीमा अधि Name c अगर नागि If Nomi If Nomi प्रस्तावक लाभार्थी Benefic प्रीमियम इ Period	Conditions of the rider(s) m नियम, 1938 की धारा 39 के अं of Nominee under Section मेत नाबालिंग है, नियुक्त व्यक्ति क nee is a minor, name of th का नाम और पताः / Name and जिसे लाभ देय हैं siary to whom Benefits paya कुकाने की अवधि during which premiums pa	nentioned under con- तर्गत नामिती का नाम: 39 of the Insurance । नाम: e Appointee: d address of Propose	प्रस्तावक या अंतर्गत नागि किए भारत र The prop Section 3 should ta any State अंतिम प्रीमि: Till the still निर्धारित नि	3 of Part C (Benefits) shall के: बीमित व्यक्ति या बीमा अधिनियम, मेतों या प्रमाणित निष्पादकों या प्रशास संघ के किसी राज्य या संघ शासित, poser or the Life Assured or 39 of the Insurance Act, 19 the our representation to his to Territory of the Union of यम के भुगतान की निर्धारित तिथि त pulated due date of paymen प्यत तारीख पर	only apply if the above me प्रस्ताव क्र.: Proposal No.: प्रस्ताव की तिथि: Date of Proposal: लाभ विवरण संवर्भ क्र.: Benefit Illustration Ref (पता / Name and address of the state of the st	ierence No.: of Life Assured: of Life Assured: में के समनुदेशिती को या बीमा कानून र को जिन्होंने उसकी सम्पदा या इस पों हो, से अपने प्रतिनिधिहोंने का प्रामाण on 38 of the Insurance Act, r Administrators or other Le e moneys payable under the	अधिनियम 1938 की धारा 38 लेसी के अंतर्गत देय राशि माः त्रप्राप्त किया होगा. 1938 or Nominees und gal Representatives w

एजेंसी कोड जांचकर्ता एजेंसी का नाम एजेंट का मोबाईल नंबर /लैंडलाईन नंबर **Agency Code Agency Name Agent's Mobile Number/Landline Number**

भाग – बीः परिभाषाएं

इस पॉलिसी दस्तावेज में प्रयुक्त शब्दावली/शब्दों की परिभाषा इस प्रकार है:

- आयु पॉलिसी शुरू होने के समय बीमित व्यक्ति की निकटतम जन्मिदन की उम्र 18 वर्ष होगी सिवाय 18 वर्ष की उम्र के, जहां 18 वर्ष पूर्ण होने चाहिए.
- 2. नियुक्त व्यक्ति वह है जिसे पॉलिसी के तहत आय/लाभ देय है. अब लाभ नामित को देय हो जाता है और दावा, भुगतान की तारीख पर नामित अवयस्क है.
- 3. वार्षिक प्रीमियम वह प्रीमियम राशि है जिसे पॉलिसी वर्षगांठ के अवसर पर भरा जाना है.
- 4. समनुदेशित वह व्यक्ति होता है जिसके अधिकार और लाभ को समनुदेशन के आधार पर स्थानांतिरत किया जाता है.
- समनुदेशन बीमा अधिनियम, 1938 के अनुच्छेद 38 के अंतर्गत "समानुदेशिती" को अधिकार और लाभों को हस्तांतिरत करने की एक प्रक्रिया है.
- मूल योजना उस पॉलिसी का हिस्सा है जो बुनियादी लाभ की बातें करता है (इस पॉलिसी दस्तावेज़ में लाभ के संदर्भ में राइडर (ऑ) के कवर लाभ को छोड़कर, यदि चुना गया हो)
- लाभार्थी अर्थात ऐसा व्यक्ति जो इस पॉलिसी के तहत लाभ प्राप्त करने का हकदार है. लाभार्थी बीमित व्यक्ति या उसका समनुदेशित या नामित या प्रामाणिक प्रबंधक या प्रशासक या अन्य विधिक प्रतिनिधि हो सकता है.
- 8. निगम अर्थात एलआईसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अंतर्गत स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम.
- 9. पॉलिसी शुरू होने की तारीख ही इस पॉलिसी की शुरुआत की तारीख है.
- 10. जोखिम आरंभ होने की तारीख यह वो तारीख है जिस पर निगम पहली प्रीमियम प्राप्ति की तारीख से प्रमाण के रूप में बीमा (कवर) का जोखिम स्वीकार करता है.
- 11. परिपक्वता तिथि अर्थात एक निश्चित तारीख जिस पर पूर्ण या आकस्मिक लाभ देय हो सकता है.
- 12. मृत्यु लाभ अर्थात अनुबंध की स्थापना पर सहमत वह लाभ, जो मृत्यु पर देय है जैसे कि इस पालिसी दस्तावेज़ के भाग-सी में विनिर्दिष्ट है
- 13. डिस्चार्ज फार्म ऐसा फार्म है जो पॉलिसी के अंतर्गत पॉलिसीधारक/दावेदार द्वारा अभ्यर्पण/परिपक्वता/ मृत्यु लाभ का दावा करने के लिए भरा जाता है.
- 14. देय तिथि वह तयशुदा तारीख है जहां बकाया प्रीमियम राशि देय होती है.
- 15. **पृष्ठांकन** अर्थात इस पॉलिसी से संलग्न/जुड़ी परिस्थितियाँ जिसमें निगम के लिए या निगम दारा हो
- अतिरिक्त प्रीमियम अर्थात वह प्रभार जो किसी भी जोखिम के लिए, न्यूनतम अनुबंध प्रीमियम के लिए प्रदान नहीं किया जाता.
- 17. अंतिम अतिरिक्त बोनस को टर्मिनल बोनस भी कहा जाता है, यह पॉलिसी की समाप्ति पर लाभ के साथ-साथ एक अतिरिक्त देय राशि है, यदि लागू हो.
- 18. पिरसमापन पॉलिसी बंद करने की वह प्रक्रिया है जो नियत तारीख पर बकाया ऋण या ऋण के ब्याज पर भुगतान न कर पाने पर की जाती है.
- 19. निशुक्क अवलोकन अविध 15 दिनों की वह अविध है जो पॉलिसी दस्तावेज़ प्राप्त होने की तारीख से लागू होती है जहां उन नियम और शर्तों की समीक्षा की जाती है जिससे पॉलिसीधारक सहमत नहीं होते हैं साथ ही पॉलिसीधारक के पास अपनी पॉलिसी वापस करने का विकल्प होता है.
- 20. रियायत अवधि बीमाकर्ता द्वारा दी गई वह अवधि है जहां बिना किसी दंड/विलंब शुल्क के भी प्रीमियम का भुगतान किया जा सकता है, जो समय के साथ बिना किसी रूकावट के पॉलिसी की शर्तों के अनुसार जोखिम कवर के साथ प्रभावी माना जाता है.
- 21. गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य पॉलिसी के अभ्यर्पण पर, न्यूनतम गारंटीड अभ्यर्पण देय राशि है.
- 22. पूर्णतः प्रभाव में जब सभी देय प्रीमियम का पॉलिसी के तहत भुगतान किया जाता है.
- आईआरडीएआई अर्थात भारतीय बीमा नियामक एवं प्राधिकरण पहले जिसे बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण के नाम से जाना जाता था.
- **24. कालातीत** स्थिति है जब रियायती अवधि के भीतर देय का भुगतान न किया गया हो.
- 25. बीमित व्यक्ति वह होता है जिसका जीवन बीमा कराया गया हो.
- ऋण अभ्यर्पण मूल्य के समान पॉलिसीधारक को निगम द्वारा दी जानेवाली वह राशि है जिस पर ब्याज भी लागू है.
- 27. परिपक्वता लाभ अर्थात वह लाभ जो परिपक्व होने पर देय हो यानि कि पॉलिसी अविध के अंत में जैसे कि पॉलिसी दस्तावेज़ के भाग 'सी' के विवरणानुसार परिपक्व होने तक जीवित रहने पर मिलनेवाला लाभ.
- 28. तात्विक जानकारी वह जानकारी है जिसका पता बीमित व्यक्ति को पॉलिसी लेते समय ही होता है, जिसे जमा किए गए प्रस्ताव/पॉलिसी से संबंधित जोखिम के बारे में पता होता है.
- 29. अवयस्क वह व्यक्ति होता है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है.
- 30. नामांकन ''नामिती'' व्यक्ति को नामांकित करने की प्रक्रिया है जिसे प्रस्ताव पत्र भरते वक्त या अनुमोदन द्वारा शामिल/परिवर्तित किया जा जाता है. नामांकन, समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 39 के प्रावधानों के अनुसार होना चाहिए.
- नामित वह व्यक्ति होता है जिसे बीमित व्यक्ति द्वारा ली गई पॉलिसी के परिपक्व होने के पूर्व, मृत्यु होने पर पॉलिसी के पैसों को वैध तरीक़े से लेने का अधिकार होता है.
- 32. प्रतिभागी अर्थात पॉलिसी की लाभ में प्रतिभागिता, निगम के अनुभव के आधार पर होती है.
- 33. प्रवत्त पॉलिसी की वह स्थिति है जहां यदि, जहां 10 वर्ष से कम अवधिवाली पॉलिसी के लिए कम से कम 2 पूर्ण वर्षों के प्रीमियम भरे हों और 10 वर्षों से अधिक अवधिवाली पॉलिसी के लिए कम से कम 3 पूर्ण वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान तब किया हो तथा बाद के प्रीमियम रियायती अविध के भीतर न भरे गए हों.
- 34. पॉलिसी वर्षगांठ अर्थात पॉलिसी शुरू होने के एक वर्ष के बाद की तिथि और पॉलिसी के पिरिपक्व होनेतक प्रतिवर्ष आनेवाली वह तिथि.
- 35. पॉलिसी/पॉलिसी दस्तावेज़ अर्थात अनुमोदन के साथ वह दस्तावेज़, यदि कोई हो, जो निगम द्वारा जारी किया गया हो जो पॉलिसीधारक और निगम के बीच कानूनी अनुबंध की पुष्टि करे.
- **36. बीमाधारक** ही इस पॉलिसी का वैध धारक होता है.
- **37. पॉलिसी अवधि** वर्ष में वह समय होता है जहां पॉलिसी प्रारंभ होने की तिथि से नियम और

Part B - Definitions

The definitions of terms/words used in this policy document are as under

- Age is the age nearest birthday of the Life Assured at the time of the commencement of the policy except for age 18 years for which the age is in completed years.
- Appointee is the person to whom the proceeds/benefits secured under the Policy are payable if the benefit becomes payable to the nominee and nominee is minor as on the date of claim payment.
- Annualized Premium is the amount of premium to be paid as on the policy anniversary.
- Assignee is the person to whom the rights and benefits are transferred by virtue of an Assignment.
- Assignment is the process of transferring the rights and benefits to an
 "Assignee" Assignment should be in accordance with the provisions of section
 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time.
- Basic Plan is that part of the Policy referring to basic benefit (benefits referred to in this policy document excluding benefits covered under Rider(s), if opted for).
- 7. Beneficiary means the person who is entitled to receive benefits under this Policy. The Beneficiary may be proposer or Life Assured or his Assignee or Nominees or proved Executors or Administrators or other Legal Representatives as the case may be.
- Corporation means the Life Insurance Corporation of India established under Sec.3 of the LIC act, 1956.
- 9. Date of commencement of policy is the start date of this Policy
- 10. Date of commencement of risk is the date on which the Corporation accepts the risk for insurance (cover) as evidenced by the date of the First Premium Receipt.
- 11. Date of Maturity means a fixed date on which benefit may become payable either absolutely or contingently.
- 12. Death Benefit means the benefit, agreed at the inception of the contract, which is payable on death as specified in Part C of this Policy document.
- 13. Discharge form is the form to be filled by policyholder/claimant to claim the maturity/surrender/death benefit under the policy.
- 14. Due Date means a fixed date on which the policy premium is due and payable
- 15. Endorsement means conditions attached / affixed to this Policy incorporating any amendments or modifications agreed to or issued by the Corporation.
- Extra Premium means a charge for any risk not provided for in the minimun contract oremium.
- Final Additional Bonus, also called as Terminal Bonus, is an additional amount payable along with the benefits on termination of the policy, if applicable.
- 18. Foreclosure is an action of closing the policy due to default in payment of outstanding loan or loan interest on due date.
- 19. Free Look Period is the period of 15 days from the date of receipt of the policy document to review the terms or conditions of this policy and where the policyholder disagrees to any of those terms and conditions, he/ she has the option to return this policy.
- 20. Grace period is the time granted by the insurer from the due date for the payment of premium, without any penalty/ late fee, during which time the policy is considered to be inforce with the risk cover without any interruption as per the terms of the policy.
- **21. Guaranteed Surrender Value** is the minimum guaranteed amount of Surrender Value payable on surrender of the policy.
- 22. In full force means all due premiums under the Policy are paid
- IRDAI means Insurance Regulatory and Development Authority of India earlier called Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA).
- 24. Lapse is the status of the Policy when a due premium is not paid within the grace period.
- 25. Life Assured is the person on whose life the insurance cover has been taken.
- **26.** Loan is the interest bearing amount granted by the Corporation against the surrender value payable to the policyholder.
- 27. Maturity Benefit means the benefit, which is payable on maturity i.e. at the end of the policy term as specified in Part C of this Policy Document, on life assured surviving upto the Date of Maturity.
- 28. Material Information is the information already known to the Life Assured at the time of obtaining a policy which has a bearing on underwriting of the proposal /Policy submitted.
- 29. Minor is a person who has not completed 18 years of age.
- 30. Nomination is the process of nominating a person who is named as "Nominee" in the proposal form or subsequently included/ changed by an endorsement, Nomination should be in accordance with provisions of Section 39 of the Insurance Act, 1938, as amended from time to time.
- **31. Nominee** is the person who has right to give a valid discharge to the policy monies in case of the death of the Life Assured before maturity of the policy.
- 32. Participating means the Policy is eligible for share of profit depending upon the Corporation's experience.
- 33. Paid Up is the status of the Policy if the premiums are paid for at least 2 full years for policies with premium paying term less than 10 years and if the premiums are paid for at least 3 full years for policies with premium paying term 10 years or more and subsequent premiums are not paid within the grace period.
- **34. Policy Anniversary** means one year from the date of commencement of the Policy and the same date falling one year thereafter, till the date of maturity.
- 35. Policy/ Policy Document means this document along with endorsements, if any, issued by the Corporation which is a legal contract between the Policyholder and the Corporation.
- $\textbf{36. Policyholder} \ \text{is the legal owner of this policy}.$
- 37. Policy term is the period, in years, from the Date of commencement of policy

पॉलिसी के शर्तों के अनुसार अनुबंधिक लाभ देय है.

- 38. पॉिलिसी वर्ष दो निरंतर पॉलिसी वर्षगांठ के बीच की अविध है. इस अविध में पहला दिन शामिल होता है और अगले पॉलिसी वर्षगांठ के दिन को शामिल नहीं किया जाता है.
- 39. प्रीमियम वह राशि होती है जो निश्चित समय पर पॉलिसीधारक द्वारा देय अनुबंधिक राशि होती है जिसका वर्णन पॉलिसी दस्तावेज़ की अनुसूची में निहित लाभों को सुरक्षित करने की दृष्टि से किया गया है
- **40. प्रीमियम भुगतान अवधि** वह अवधि होती है, वर्षों में, जिस दौरान प्रीमियम देय होता है.
- 41. बीमा जारी रखने का प्रमाण पॉलिसीधारक से मांगी गई वह जानकारी है जो बीमा को पुनः जारी रखने के निर्णय से संबंधित होती है. इस फार्म में उत्तम स्वास्थ, मेडिकल रिपोर्ट, विशेष रिपोर्ट की विस्तृत घोषणा होती है.
- **42. प्रस्तावक** वह व्यक्ति होता है जो जीवन बीमा का प्रस्ताव रखता है.
- 43. पॉलिसी का पुनर्चलन अर्थात पॉलिसी का चालू होना जो कि प्रीमियम ना भरने पर बीमाकर्ता द्वारा बंद कर दी गई, सभी लाभों के साथ में (पॉलिसी के नियम और शर्तों के अनुसार आवश्यक शुल्क और प्रभार/विलंब शुल्क पर निर्भर, यदि कोई हो) जिसका उल्लेख पॉलिसी दस्तावेज में दिया गया है. बीमा जारी रखने के लिए आवश्यक है कि, वह सभी जानकारी जो पॉलिसीधारक द्वारा गई सूचना, दस्तावेज़ और रिपोर्ट के साथ ही बीमा से संबंधित जोखिम की जानकारी स्वारण हो.
- 44. पुनर्चलन अविध पॉलिसी बंद करने की तारीख से दो निरंतर वर्षों के बीच की वह अविध होती है जहां पॉलिसीधारक अपनी उस पॉलिसी को पुनः बहाली का अधिकार रखता है जो प्रीमियम न भरने के कारण बंद कर दी गई थी.
- 45. राइडर इस पॉलिसी में निर्दिष्ट मूल लाभों के अतिरिक्त अन्य लाभ हैं.
- 46. **राइडर प्रीमियम** अतिरिक्त कवर/ लाभ अगर चुने गए हैं, के प्रति देय हैं और यह मूल योजना के लिए देय प्रीमियम के अलावा है.
- 47. **राइडर बीमित राशि** वह सुनिश्चित बीमा राशि होती है जो निर्दिष्ट घटना के घटित होने पर देय है.
- 48. अनुसूची पॉलिसी दस्तावेज़ का वह हिस्सा होता है जो आपकी पॉलिसी की संपूर्ण जानकारी देता है.
- 49. साधारण प्रत्यावर्ती बोनस निगम द्वारा पॉलिसीयों के 'लाभ सहित' पॉलिसी पर अधिशेष/लाभ जोड़े जाते हैं. यह निगम के अनुभव के आधार पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में प्रति हजार मूल बीमित राशि पर घोषित किया जाता है.
- **50. मृत्यु पर बीमा राशि** पॉलिसी अवधि के दौरान मृत्यु होने पर मिलनेवाली निश्चित राशि होती है.
- **51. अभ्यर्पण** अर्थात पॉलिसी के परिपक्व होने के पूर्व ही उसकी वापसी/समाप्ति.
- 52. अभ्यर्पण मूल्य अर्थात वह राशि, यदि कोई हो, जिसका भुगतान नियम और शर्तों के अनुसार पॉलिसी के अभ्यर्पण पर देय होता है
- 53. तालिकाबध्य प्रीमियम मूल बीमा राशि के लिए बीमित व्यक्ति की आयु के आधार पर तय किया जाता है कि, जो कि बिना किसी छूट या अतिरिक्त लोड के होता है.
 53. Tabular premium is the premium for the chosen Basic Sum Assured based on the age of the Life Assured without application of any rebate or extra loading.
- 54. बीमांकन का प्रयोग जोखिम के आकलन एवं कवर की लागत एवं संबंधित व्यक्ति द्वारा उठाए गए जोखिम के अनुपात की प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए किया जाता है. और इस कवर की स्वीकृति या अस्वीकृति होने के साथ ही साथ उपयुक्त प्रीमियम या संशोधित शतौं के लागू होने पर बीमांकन पर आधारित होता है.
- **55. यूआईएन** अर्थात आईआरडीएआई द्वारा इस पॉलिसी के लिए आवंटित विशिष्ट पहचान संख्या.
- 56. निहित बोनस वह प्रत्यावर्ती बोनस है, यदि कोई हो, जिसे पहले ही घोषित किया गया है और यह पॉलिसी के साथ ही जुड़ा है.
- 57. लाभ सहित अर्थात वह पॉलिसी जो पॉलिसी के नियम व शर्तों के अनुसार, पॉलिसी अवधि के दौरान लाभ के भाग के लिए हकदार हैं.

भाग सी - लाभ

निम्नलिखित लाभ इस पॉलिसी के तहत देय होंगे:

- 1. पिरपक्चता लाभ: बीमित व्यक्ति के जीवित रहने तक यदि सभी प्रीमियमों का समय पर भुगतान करने व निर्धारित तिथि तक पॉलिसी के उचित ढंग से चलने पर पिरपक्वता पर बीमा राशि के साथ निहित साधारण प्रत्यवर्ती बोनस और अंतिम अतिरिक्त बोनस, यदि कोई हो देय होगा. जहां पिरपक्वता पर बीमा राशि मूल बीमा राशि के बराबर होगी.
- 2. मृत्यु लाभ: सभी प्रीमियमों का समय पर भुगतान करके पॉलिसी उचित ढंग से चालू रखने पर परिपक्वता की निर्धारित तिथि से पहले बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर, "मृत्यु पर बीमा राशि" राशि के रूप में परिभाषित मृत्यु लाभ, निहित साधारण प्रत्यवर्ती बोनस और अंतिम अंतिरिक्त बोनस, यदि कोई हो देय होगा. जहा "मृत्यु पर बीमा राशि" मूल बीमा राशि के 125% का उच्च या वार्षिक प्रीमियम का 10 गुना के रूप में परिभाषित किया जाता है. यह मृत्यु लाभ मृत्यु की तिथि पर के रूप में भुगतान किए गए सभी प्रीमियमों के 105% से कम

ऊपर संदर्भित प्रीमियम सेवा कर, अतिरिक्त प्रीमियम और राइडर प्रीमियम (ऑ) को छोड़कर है, यदि कोई हो.

ਗਵਤਰ ਕਾਪ

ए. एलआईसी की दुर्घटना में मृत्यु और अपंगता लाभ राइडर (यूआईएन 512B209V01): इस पॉलिसी के तहत दुर्घटना "दुर्घटना, बाहरी, हिंसक और प्रत्यक्ष कारणों से घटित आकस्मिक, अप्रत्याशित और अनैच्छिक घटना है."

एलआईसी की दुर्घटना में मृत्यु और अपंगता लाभ राइडर अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करने पर उपलब्ध होगा. पॉलिसी की चालू स्थिति के तहत, प्रीमियम भुगतान अविध में, दुर्घटना में मृत्यु और अपंगता हितलाभ राइडर को चुना जा सकता है. बशर्ते प्रीमियम भुगतान की अविध कम से कम पांच वर्ष शेष हो. जब इस पॉलिसी के अंतर्गत राइडर का विकल्प चुना गया है, इस राइडर से जुड़े सभी लाभ पॉलिसी अविध के दौरान या उस पॉलिसी कर्पांत तक जब बीमित व्यक्ति की जन्मदिवस की नजदीक की उम्र 70 या उस से कम है, वह पॉलिसी स्पूर्ण रूप से प्रभावी हो.

इस पॉलिसी के तहत सभी प्रीमियमों का भुगतान करने पर या पॉलिसी वर्षगांठ पर या उसके बाद जिस पर बीमित व्यक्ति के जन्मदिन की आयु 70 वर्ष है, इनमें से जो भी पूर्व हो, इस राइडर के लिए अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान करने की ज़रूरत नहीं. हालांकि, मूल योजना के तहत प्रीमियम जिसके साथ यह राइडर जुड़ा हुआ है जिस 70 वर्ष की उम्र के बाद भी प्रीमियम का भुगतान अविध के अंत तक जारी रहेगा, जहां लाग हो.

भारतीय जीवन बीमा निगम से ली गई सभी पॉलिसियों – जिनमें दुर्घटना हितलाभ अंतिनिर्हित हो तथा समूह बीमा पॉलिसियां भी शामिल हैं – के अंतर्गत दुर्घटना हितलाभ की अधिकतम कुल सीमा किसी भी रिश्वित में रु. 100 लाख से अधिक नहीं होगी. यदि इसमें एक से ज़्यादा पॉलिसियां हों और यदि कुल दुर्घटना लाभ रु. 100 लाख से ज़्यादा हो तो लाभ जारी की गई पॉलिसियों की तिथि के अनुसार प्रथम रु. 100 लाख की बीमा राशिपर चालू होंगे.

during which the contractual benefits are payable as per the terms and conditions of the policy.

- **38. Policy year** is the period between two consecutive policy anniversaries. This period includes the first day and excludes the next policy anniversary day.
- 39. Premium is the contractual amount payable by the Policyholder at specified times periodically as mentioned in the schedule of this Policy Document to secure the benefits under the policy.
- 40. Premium paying term means the period, in years, during which premiums are payable.
- 41. Proof of continued insurability is the information sought from the policyholder to decide revival of the policy. This includes Form of declaration of Good Health. Medical Reports, Special Reports, etc.
- 42. Proposer is a person who proposes the life insurance proposa
- 43. Revival of a policy means restoration of the policy, which was discontinued due to the non-payment of premium, by the insurer with all the benefit mentioned in this policy document, upon the receipt of all the premiums due and other charges/late fee, if any, as per the terms and conditions of the policy, upon being satisfied as to the continued insurability of the insured on the basis of the information, documents and reports furnished by the policyholder, in accordance with the then existing underwriting guidelines.
- 44. Revival Period is the period of two consecutive years from the date of discontinuance of the policy, during which period the policyholder is entitled to revive the policy which was discontinued due to the non-payment of premium.
- 45. Rider is an add-on benefit in addition to basic benefits as specified under this Policy.
- 46. Rider Premium is the premium payable along with the premium under Basic Plan towards the additional cover/benefit opted under the rider, if opted.
- 47. Rider Sum Assured is the assured amount payable on happening of a specified event covered under the rider, if opted.
- **48. Schedule** is the part of policy document that gives the details of your policy.
- 49. Simple Reversionary Bonus is the surplus/profit added by the Corporation to 'with-profits' policies. It is declared per thousand Basic Sum Assured at the
- end of each financial year based on the Corporation's experience.

 50. Sum Assured on Death is the assured amount payable on death during the
- 51. Surrender means complete withdrawal / termination of the entire policy before maturity.52. Surrender Value means an amount, if any, that becomes payable in case of
- surrender in accordance with the terms and condition of this policy.

 53. Tabular premium is the premium for the chosen Basic Sum Assured baser
- on the age of the Life Assured without application of any rebate or extra loading.

 54. Underwriting is the term used to describe the process of assessing risk and ensuring that the cost of the cover is proportionate to the risks faced by the individual concerned. Based on underwriting, a decision on acceptance or rejection of cover as well as applicability of suitable premium or modified
- terms, if any, is taken.

 55. UIN means the Unique Identification Number allotted to this plan by the IRDAI
- 56. Vested Bonus is the reversionary bonus, if any, which has already been declared and remains attached to the policy.
- 57. With Profits policies means policies which are entitled for any share in surplus (profits) emerging during the term of the policy in accordance with the terms and conditions of the policy.

Part C - Benefits

Part C - Benefits The following benefits are payable under this policy:

- Maturity Benefit: On Life Assured surviving the stipulated Date of Maturity provided the policy is in full force by paying upto-date premiums, Sum Assured on Maturity along with vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where Sum Assured on Maturity is equal to Basic Sum Assured.
- 2. Death Benefit: On death of the Life Assured before the stipulated Date of Maturity provided the policy is in full force by paying upto-date premiums, Death Benefit, defined as sum of "Sum Assured on Death", vested Simple Reversionary Bonuses and Final Additional Bonus, if any, shall be payable. Where, "Sum Assured on Death" is defined as higher of 125% of Basic Sum Assured or 10 times of annualised premium.

This Death Benefit shall not be less than 105% of all the premiums paid as on date of death.

Premiums referred above exclude service tax, extra premium and rider

premium(s), if any.

3. Rider Benefits:

A. LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider (UIN: 512B209V01): An 'Accident' for the purpose of this policy is defined as "An Accident is a sudden, unforeseen and involuntary event caused

by external, violent and visible means."

LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider is available on payment of additional premium. Under an inforce policy the Accidental Death and Disability Benefit Rider can be opted for at any time within the Premium Paying Term of the Basic Plan provided the outstanding Premium Paying Term of the Basic Plan is atleast 5 years. Wherever this rider has been opted for under the policy, the benefits covered under this Rider will be available during the policy term or before the policy anniversary on which the age nearer birthday of the Life Assured is 70 years, whichever is earlier, provided the Policy is in force for the full Sum Assured as on date of accident.

The additional premium for this Rider will not be required to be paid after all premiums under this Policy have been paid or on and after the policy anniversary on which the age nearer birthday of the Life Assured is 70 years, whichever is earlier. However, the premium under the Basic Plan with which this rider is attached shall continue to be paid beyond age 70 years till the end of Premium Paying Term, wherever applicable.

The maximum aggregate limit of assurance under all policies including policies with in-built Accident Benefit taken with Life Insurance Corporation of India under individual policies as well as group policies on the same life to which following benefits apply shall not in any event exceed Rs.100 lakhs of Accident Benefit Sum Assured. If there be more policies than one and if the total Accident Benefit Sum Assured exceeds Rs.100 lakhs, the benefits shall apply to the first Rs.100 lakhs Accident Benefit Sum Assured in order of date of policies issued.

जब यह पॉलिसी बीमा राशि के लिए पूर्ण प्रभावी है और उस समय बीमित दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तथा दुर्घटना में चोट लगने से 180 दिन के अंदर यह साबित हो जाता है कि चोट पूरी तरह, सीधे और स्वतंत्र रूप से दुर्घटना की वजह से हैं जिस से (अ) स्थायी या पूर्ण रूप से अपंगतावाली स्थिति आ जाती है, जैसा कि वर्णित है या (ब) बीमित की मृत्यु हो जाती है, जो कि निगम की संतुष्टि के लिए साबित हो जाता है, तब

(अ) बीमित की अपंगता : (i) अतिरिक्त राशि जो कि दुर्घटना हितलाभ राशि के बोमित का अपगता : (I) आतारक्त शाश जा पर दुवि । विद्यान का अपगता : (I) आतारक्त शाश जा पर दुवि । विद्यान होगा. (ii) भविष्य में दर्घटना हितलाभ बीमा राशि से जुड़े एवं मूल बीमा राशि से जुड़े देय प्रीमियम , यदि हों तो माफ़ हो जायेंगे. किसी भी अन्य राइडर से जुड़े प्रीमियम, अगर चुने गए हैं, का भुगतान जारी रहेगा.

प्रीमियम की माफ़ी से इस पॉलिसी के तहत सभी विकल्प एवं नियम 3. अ (ब) के तहत सभी कवर किए हित समाप्त हो जायेंगे सिवाय ऐसे बीमा कवर , अगर हैं जो बीमित व्यक्ति की मौजूदा सभी पॉलिसियों के अंतर्गत कुल दुर्घटना लाभ रकम से अधिक राशि के लाभ को प्रीमियम के निरंतर भुगतान द्वारा प्रभावी रखा जा सकता है.

ऊपर संदर्भित अपंगता सही मायनों में अपंगता होनी चाहिए जो एक 'दुर्घटना' का नतीजा है और पूरी तरह से स्थायी अपंगता ही होनी चाहिए. दुर्घटना में चोटें जो अन्य सभी कारणों से अलग हैं और इस तरह का हादसा होने के 180 दिनों के भीतर परिणाम स्वरूप ऐसी अपंगता आ जाती है जिससे बीमित व्यक्ति स्थायी रूप से किसी भी बाहरी मदद/ आधार के बिना साथही यांत्रिक उपकरणों का उपयोग, विशेष उपकरण या सहायता के बिना दैनिक जीवन की (नीचे वर्णित) निम्नलिखित क्रियाओं में से कम से कम 4 क्रियाएं करने में असफल हो जाता है. तो ऐसी अपंगता का सद्भाजार रूथाया रूप म माना जाएगा. निगम द्वारा अधिकृत विकित्सा परीक्षक संपूर्ण और स्थायी रूप से अपंगता प्रमाणित करने के लिए बीमित व्यक्ति की जांच करंग. को संपूर्ण और स्थायी रूप में माना जाएगा. निगम द्वारा अधिकृत चिकित्सा परीक्षक

दैनिक जीवन की कियाएं:

- परिधान सभी आवश्यक कपड़े, कृत्रिम अंग या शल्य चिकित्सा उपकरण जो चिकित्सकीय आवश्यक है उनको पहनने या निकालने की क्षमता.
- धुलाई: सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता का पर्याप्त स्तर बनाए रखने के लिए धोने की क्षमता.
- भोजनः एक बार भोजन तैयार और उपलब्ध करने पर भोजन थाली या कटोरी से मुंह तक ले जाने की क्षमता.
- प्रसाधनः व्यक्तिगत स्वच्छता का एक संतोषजनक स्तर बनाए रखने के लिए शौचालय का उपयोग करने की या अन्यथा आंत्र या मुत्राशय के कार्यों का प्रबंधन करने की क्षमता.
- गतिशीलताः निवास के सामान्य स्थानों पर स्तर सतहों पर घर के अंदर एक कमरे से दूसरे कमरे में जाने की क्षमता.
- स्थानांतरणः एक बिस्तर से कुर्सी तक या पहिया कुर्सी तक या विपरीत क्रम से स्थानांतरित होने की क्षमता.

उपरोक्त कथन के बावजद, यदि आकस्मिक चोटें जो स्वतंत्र रूप से अन्य सभी कारणों से अलग है. और इस तरह के हादसे घटने के 180 दिनों के भीतर जिस से दोनों आंखों की पूरी दृष्टि की हमेशा के लिए हानि हो जाती है या दोनों हाथ कलाई या कलाई के ऊपर से कट जाने पर या दोनों पैर टखनों से या टखनों के ऊपर से कट जाने पर या एक हाथ कलाई या कलाई के ऊपर से कट जाने पर या एक पैर टखना से या टखने के ऊपर से कट जाने की अवस्था को भी, अपंगता समझा जाएगा

अपंगता के घटित होने के बाद, उसका पूर्ण विवरण लिखित रूप से बीमित व्यक्ति के तत्कालीन पता-ठिकाना के साथ, निगम के उस कार्यालय में देना चाहिए जहां पॉलिसी सेवित है और अपंगता के घटने के 90 दिन के भीतर, अपंगता के संतोषजनक प्रमाण निगम को जिस रूप में चाहिए निगम के उस कार्यालय में जमा कराना होगा जहां पॉलिसी सेवित है और जिस पर निगम को कोई व्यय न करना पड़े.

यदि जांच के दौरान इस बात की पुष्टि हो जाती है कि, दावा गलत स्वीकारा गया है, तो निगम द्वारा मामले को संज्ञान में लेने के बाद से माफ़ किए गए प्रीमियम को अमान्य कर दिया जाएगा. साथ ही सभी अदा की गई अतिरिक्त राशियों को निगम दारा तय की हुई ब्याज दरों के साथ निगम को एकमुश्त वापिस करना होगा जिसे अपंगता के दावों का आधार बताकर निगम से लिया गया था. ऐसा ना करने पर

- पॉलिसी के तहत् उपलब्ध लाभ उस हद तक कम हो जाएंगे जैसे कि प्रीमियम माफ़ होने की तारीख से पॉलिसी बंद हुई हो या अतिरिक्त बीमा राशि की पहली किश्त के भुगतान की तारीख जो भी पहली हो.
- (ii) भुगतान किए गए अतिरिक्त बीमा राशि की किश्तों को उपर्युक्त पॉलिसी पर एक ऋण के रूप में माना जाएगा और पॉलिसी के लाभों की प्राप्ति से समय समय पर निगम द्वारा तय कि हुई दरों पर ब्याज के साथ काटा जाएगा.

और ऐसा मानते हुए कि कोई दुर्घटना घटित नहीं हुई है आगे की अतिरिक्त दुर्घटना लाभ बीमा राशि के किश्तों का भुगतान देय नहीं होगा.

(ब) **बीमित व्यक्ति की मृत्यु**: इस पॉलिसी के तहत मूल बीमा राशि के अलावा, दुर्घटना लाभ बीमा राशि के बराबर अतिरिक्त राशि देय होगी. हालांकि, पॉलिसी पूर्ण रूप से प्रभावी होनी चाहिए चाहे वह मृत्यु के समय प्रभावी हो या ना हो.

निगम, ऊपर (अ) या (ब) में संदर्भित अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा. बीमित व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता यदिः

- (i) जानबूझ कर खुद को चोट पहुंचाना, आत्महत्त्या का प्रयास करने, पागलपन या अनैतिक आचरण के कारण अथवा किसी मादक द्रव पदार्थ, औषधि या नशीली वस्तुओं का सेवन करने से होगी अथवा (चिकित्सक द्वारा इलाज के रूप में बताएँ गए न हों)
- (ii) दंगों, असैनिक उपद्रव, सशस्त्र विद्रोह, युद्ध (भले ही युद्ध की घोषणा की गई हो या न हो), आक्रमण, शिकार, पर्वतारोहण, लंबी छलांग या किसी भी प्रकार की दौड़, पॅराग्लाइडिंग या पैराशूटींग. रोमांचक खेलों में भाग लेने के फलस्वरूप चोट लगने के कारण होगी अथवा
- (iii) बीमित व्यक्ति द्वारा अपराध की भावना से किए गए किसी भी अपराधिक
- (iv) (अ) सशस्त्र बल या सैन्य सेवा में बीमित व्यक्ति के नौकरी करने की वजह से, यह अपवाद लागू नहीं होता है जब बीमित व्यक्ति ड्यूटी पर न होते हुए भी दुर्घटना का शिकार हो जाता है या हमारे देश में प्राकृतिक आपदाओं से

If the Life assured is involved in an accident at any time when this Policy is in force for the full Sum Assured, and such injury shall within 180 days of its occurrence solely, directly and independently of all other causes result in (a) either permanent and total disability, as hereinafter defined or (b) death of the Life assured and the same is proved to the satisfaction of the Corporation, the Corporation agrees in case of:

(a). Disability to the Life Assured: (i) pay additional sum equal to the Accident Benefit Sum Assured in equal monthly instalments spread over 10 years under this Policy. If the policy becomes a claim by the way of death or maturity before the expiry of the said period of 10 years, the disability benefit instalments which have not fallen due will be paid along with the claim and (ii) waive the payment of future premiums chargeable, if any, under the policy (including the premium under Basic Plan) to the extent of Accident Benefit Sum Assured. The premium for any other Rider, if opted for, shall continue

The waiver of premium shall extinguish all options under this policy and the benefits covered by 3.A.(b) of this clause except as to such assurances, if any, as exceeds the total accident benefit sum assured under all the existing policies of the life assured and which may have been kept in force by continued payment of premiums.

The disability above referred to must be disability which is the result of an 'Accident' and must be total and permanent. Accidental injuries which independently of all other causes and within 180 days from the happening of such accident result in such disability due to which life assured is unable to perform at least 4 (four) of the without any external help/support including the use of mechanical equipment, special devices or other aids, then such disability shall be treated as Total and Permanent. Medical Examiner authorized by the Corporation shall examine the life assured to certify the disability as Total and Permanent

The Activities of Daily Living are:

- · Dressing the ability to put on and take off all necessary garments, artificial limbs or other surgical appliances that are
- Washing the ability to wash to maintain an adequate level of cleanliness and personal hygiene
 Feeding the ability to transfer food from a plate or bowl to the
- outh once food has been prepared and made available
- · Toileting the ability to use the lavatory or otherwise manage bowel and bladder functions so as to maintain a satisfactory level of personal hygiene
- Mobility the ability to move indoors from room to room on level surfaces at the normal place of residence
- Transferring the ability to move from a bed to an upright chair or wheel chair and vice versa

Notwithstanding what is mentioned above, Accidental injuries which independently of all other causes and within 180 days from the happening of such accident, result in the irrecoverable loss of the entire sight of both eyes or in the amputation of both hands at or above the wrists or in the amputation of both feet at or above ankles. or in the amputation of one hand at or above the wrist and one foot at or above the ankle, shall also be deemed to constitute such

After the happening of the disability, full particulars thereof must be given in writing to the office of the Corporation where this Policy is serviced together with the then address and whereabouts of the Life Assured and within 90 days of the happening of the disability, must be given to the servicing Office of the Corporation, in the manner required by it, proof of disability satisfactory to the Corporation and without any expense to the Corporation, Medical Examine authorized by the Corporation shall examine the Life Assured and certify in respect of any disability claimed after the intimation Further, medical examination may be done to validate the continuity of disability on case to case basis, if required.

In the event of it being discovered at any time that a claim under this clause has been wrongly admitted, all premiums falling due after the date of the Corporation's intimation to that effect shall be paid on due dates and further all premiums for which waiver was wrongly claimed and all instalments of additional sum assured which have been paid to the life assured shall be returned to the Corporation in one lump sum with interest, at such rate as fixed by the Corporation from time to time as if no disability had occurred, failing which

- (i) the benefits available under the policy shall stand reduced as if the policy has been discontinued as on the date from which niums have been waived or on the payment of the first instalment of the additional sum assured, whichever is earlier and
- (ii) the instalments of additional sum assured already paid shall be treated as a debt against the said policy and shall be deducted with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to ime from the proceeds of the policy.

No further instalment/s of additional Accident Benefit Sum Assured shall be payable considering as if no disability had occurred.

(b). Death of the Life Assured: In addition to Basic Sum Assured, an additional sum equal to the Accident Benefit Sum Assured shall be payable under this policy. However, the policy shall have to be in force at the time of accident irrespective of whether or not it is in force at the time of death.

The Corporation shall not be liable to pay the additional sum referred in (a) or (b) above, if the disability or the death of the Life Assured shall:

- (i) be caused by intentional self injury, attempted suicide, insanity or immorality or whilst the Life Assured is under the influence or consumption of intoxicating liquor, narcotic or drug (unless prescribed by doctor as a part of treatment); or
- (ii) be caused by injuries resulting from taking any part in riots, civil commotion, rebellion, war (whether war be declared or not), invasion, hunting, mountaineering, steeple chasing, racing of any kind, paragliding or parachuting, taking part in adventur
- (iii)result from the Life Assured committing any criminal act with criminal intent: or
- (iv) (a) arise from employment of the Life Assured in the armed forces or military service. This exclusion is not applicable if the Life Assured was involved in an accident when he is not on duty or was involved in any rescue operations while

बचाव करते हए या

- (ब) अर्द्धसैनिक बलों के अलावा अन्य किसी भी पुलिस संगठन में पुलिस ड्यूटी में लगे होने के कारण होनेवाली आय (जो प्रशासनिक कार्य में शामिल नहीं) पर यह छूट लागू नहीं होगी, जब पुलिस ड्यूटी पर लगे हुए हैं, और तब दुर्घटना होती है तो, दुर्घटना में मृत्यु और अपगता लाभ कवर पाने के लिए विकल्प होता है या
- (v) बीमित व्यक्ति की दुर्घटना की तारीख से 180 दिनों के बाद अस्तित्व में आना.

मूल योजना के अभ्यर्पण पर देय लाभ: यह राइडर किसी भी प्रदत्त मूल्य का अधिग्रहण नहीं करेगा और इस राइडर के तहत कोई भी अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा. हालांकि, अगर इस राइडर का विकल्प मूल योजना के अभ्यर्पण से यह राइडर जुड़ा है और उसके लिए चुना गया है और इस राइडर और मूल योजना के संबंध में सभी प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया है तो प्रीमियम भुगतान अवधि के संदर्भ में बाद में ली गई राइडर प्रीमियम राशि निम्न प्रकार से वापस की जाएगी

प्रीमियम भुगतान अविध के दौरान अभ्यर्पण करने पर: 80%*(वार्षिक राइडर प्रीमियम प्रति1000 के. दुर्घटना लाभ बीमा राशि-1)* (दुर्घटना लाभ बीमा राशि/1000) * (वर्षों की संख्या जिसके लिए इस राइडर के संबंध में प्रीमियम का भुगतान कर दिया गया है)

प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद अभ्यर्पण करने पर: 80%*(वार्षिक राइडर प्रीमियम प्रति 1000 रु. दुर्घटना लाभ बीमा राशि-1)* (दुर्घटना लाभ बीमा राशि/1000) * (राइंडर की प्रीमियम भुगतान अवधि) * (पूरे किए वर्ष में राइर्डर की बकाया अवधि/इस राइडर के संदर्भ में पॉलिसी अवधि-राइडर की पीमियम भगतान अवधि)

जहां. ऊपर दिए गए वार्षिक राइडर प्रीमियम में कर का समावेश नहीं किया गया है

बी. एलआईसी की नई अवधि बीमा राइडर(UIN 512B210V01):-

एलआईसी की नई अवधि बीमा राइडर, पॉलिसी के अतिरिक्त प्रीमियम के भुगतान पर उपलब्ध है. इस राइडर के लिए अतिरिक्त प्रीमियम का भुगतान, मूल योजना या किसी अन्य राइडर, यदि चुना गया हो, के प्रीमियम के सुगतान के समय ही करना होता है. यदि यह राइडर चुना गया है तो, पॉलिसी अवधि के दौरान बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर अतिरिक्त राशि राइडर पर बीमित राशि की अवधि के बराबर होगी. और यह राइडर कवर के प्रभावी ढंग से चलने पर देय होगी.

भारतीय जीवन बीमा निगम के विचाराधीन प्रस्ताव के निमित्त से सभी राइंडर द्वारा ली गई मौजूदा पॉलिसीयों पर अवधि बीमा राइंडर पर अधिकतम कवर की राशि 25 लाख रुपये होगी. एक से अधिक पॉलिसीयां हैं यदि और अवधि बीमा राइंडर बीमा राशि 25 लाख से अधिक होती है. तो पॉलिसी जारी करने के क्रम में लाभ. पहले अवधि बीमा राइंडर बीमा राशि 25 लाख

मूल योजना के अभ्यर्पण पर देय लाभ:- यह राइडर किसी भी प्रवत्त मूल्य का अधिग्रहण नहीं करेगा और इस राइडर के तहत् किसी भी प्रकार का अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा. हालांकि, यदि यह राइडर चुना गया है और मूल योजना के अभ्यर्पण पर, इस राइडर और मूल योजना के संदर्भ में यह राइडर उपाल्ब कराए गए सभी देय प्रीमियम के भुगतान को संवर्भ में पह राइडर उपाल्ब कराए गए सभी देय प्रीमियम के भुगतान को सेव पर, मूल योजना अभ्यर्पण मूल्य को अधिगृहीत करता है. अतिरिक्त अवधि बीमा राइडर पर अवधि बीमा राइडर कवर के संबंध में प्रभारित राशि प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद निम्नलिखित अनुसार वापिस किया जाएगा.

प्रीमियम अवधि के दौरान अभ्यर्पण करने परः

75% *डी* (पीपीपीटी-पीएन)*(अवधि बीमा राइडर पर बीमा राशि/1000)

प्रीमियम अवधि के बाद अभ्यर्पण करने पर:

75% * पीपीपीटी*(अवधि बीमा राइडर पर बीमा राशि/1000) *(पीपीटी/पीएन)*(एन-टी)

- पीपीपीटी = प्रति 1000/- रु पर आरंभ में राइडर बीमा राशि की अवधि पर सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि के लिए तालिकाबध्द वार्षिक प्रीमियम
- = प्रति १०००/- रु पर तालिकाबध्द नियमित वार्षिक प्रीमियम, राइंडर बीमा राशि की अवधि के बराबर होगा और यह पॉलिसी लेने के समय बीमित व्यक्ति की उम्र व राइडर की अवधि पर लागू किया जा रहा है.

(ऊपर दिए गए प्रीमियम में सेवा कर और अतिरिक्त प्रीमियम को शामिल नहीं किया गया है, यदि कोई

डी = अभ्यर्पण की तारीख को एक वर्ष पूरा होने के दिन ही पॉलिसी की अवधि का बीत जाना. एन= राइडर की अवधि

पीपीटी= राइंडर की प्रीमियम भुगतान अवधि

टी = हाल ही में पूर्ण किए हुए अभ्यर्पण की तारीख के दिन ही पॉलिसी की अवधि का बीत जाना.

 लाभ में प्रतिभागिताः बशर्त पॉलिसी पूर्णतः प्रभावी हो, तब निगम के अनुभव के आधार पर, एलआईसी अधिनियम 1956 के अनुच्छेद 28 के प्रावधानों के तहत जो समय-समय पर . संशोधित लाभों में प्रतिभागी होते हैं. यह पॉलिसी, निगम द्वारा घोषित, नियम और दरों के अनुसार साधारण प्रत्यावर्ती बोनस, यदि है तो, के लिए योग्य होगा. साधारण प्रत्यावर्ती बोनस की घोषणा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाएगी बशर्ते पॉलिसी पूर्णतः प्रभावी हो. एक बार घोषित होने के बाद, बोनस, योजना के गारंटीड लाभ का हिस्सा बन जाता है

प्रीमियम का विधिवत भुगतान नहीं करने की स्थिति में, पॉलिसी की लाभ में प्रतिभागिता समाप्त कर दी जाएगी भले ही प्रदत्त मूल्य का भुगतान किया गया हो या न किया गया हो.

पॉलिसी के अभ्यर्पण करने की स्थिति में, निहित बोनस का समर्पण मूल्य, यदि कोई हो, अभ्यर्पण करने की तारीख से ही लागू होगी. जिसका भुगतान पॉलिसी दस्तावेज़ में उल्लेखित भाग 'डी' के नियम 5 के अनुसार होगाँ.

पॉलिसी के तहत् अंतिम अतिरिक्त बोनस की घोषणा, मृत्यु या परिपक्वता पर प्राप्त दावों के वर्ष में की जा सकती है प्रदत्त पॉलिसी के तहत् अंतिम अतिरिक्त बोनस देय नहीं होगा.

5. प्रीमियम का भुगतान

- (ए). देय प्रीमियम ''कुल प्रीमियम किश्त '' होगा. जिसमें निम्न शामिल होगा,
- मूल योजना के लिए किश्त प्रीमियम
- .. अगर एलआईसी का दुर्घटना हितलाभ और अपंगता लाभ राइडर का विकल्प चुना गया है, तो इस विकल्प के लिए किश्त प्रीमिया
- यदि एलआईसी की नई अवधि बीमा राइडर के विकल्प का प्रयोग किया गया है, तो नई बीमा अवधि राइडर की किश्त प्रीमियम,
- (बी) **रियायत अवधिः** वार्षिक, अर्ध वार्षिक या त्रैमासिक प्रीमियमों के भुगतान के लिए रियायत अवधि एक माह किंतु 30 दिन एवं मासिक प्रीमियमों के लिए 15 दिन की रियायत अवधि दी जाएगी. यदि प्रीमियम का भुगतान रियायत अवधि के समाप्त होने के पूर्व नहीं किया जाता है तो पॉलिसी कालातीत हो जाएगी.
 - रियायत अवधि के दौरान और उस वक्त देय प्रीमियम का भुगतान करने के पूर्व यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो पॉलिसी वैध रहेगी और हितला म का भुगतान उक्त प्रीमियम तथा अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले भुगतान किए गए प्रीमियम, दावे की राशि काट लिए जाएंगे.
- (सी) यदि पॉलिसी कालातीत नहीं हुई है और मृत्यु की दशा में पॉलिसी के तहत दावा किया गया है तब उस पॉलिसी में जहां प्रीमियम भुगतान वार्षिक तरीक़े के अलावा और कोई तरीक़ा हो, तब अगली पॉलिसी वर्षगांठ से पहले भुगतान किए गए प्रीमियम, दावे की राशि में से काट लिए जाएंगे.

- combating natural calamities in our country; or
- (b) arise from being engaged in police duty (which excludes administrative assignments) in any police organization other than paramilitary forces. This exclusion is not applicable where the option to cover Accidental Death and Disability Benefit arising on accident while engaged in police duty, has been chosen; or
- (v) occur after 180 days from the date of accident of the Life

Benefits payable on surrender of Basic Plan: This rider shall not acquire any Paid-up Value and no surrender value will be available under this rider. However, if this rider has been opted for and on surrender of the Basic Plan to which this rider is attached, provided all the due premiums basic Plan to which this index and Basic Plan have been paid and the Basic Plan has acquired surrender value, additional rider premium charged in respect of cover after premium paying term shall be refunded as follows:

In case of Surrender during Premium Paying Term: 80% * (annualised rider premium per Rs. 1000 Accident Benefit Sum Assured – 1) * (Accident Benefit Sum Assured/1000) * (Number of years for which premiums in respect of this rider have been paid)

In case of Surrender after Premium Paying Term: 80% * (annualised rider premium per Rs. 1000 Accident Benefit Sum Assured - 1) * (Accident Benefit Sum Assured/1000) * (premium paying term of the rider) * (outstanding term for the rider in completed years / (Policy term in respect of this rider - Premium paying term of the rider))

Where annualised rider premium mentioned above excludes tax

B. LIC's New Term Assurance Rider (UIN 512B210V01): -

LIC's New Term Assurance Rider is available at the inception of the policy on payment of additional premium. The additional premium for this Rider will need to be paid along with the premium of the Basic Plan and any other rider, if opted for, during the premium paying term of the policy. If this rider is opted for, on death of the Life Assured during the policy term an additional amount equal to Term Rider Sum Assured shall be payable provided the rider cover is inforce.

The maximum cover for this rider shall be Rs. 25 lakhs taking all Term Assurance Riders under all existing policies of the Life Assurant attended from Life Insurance Corporation of India including the new proposal under consideration. If there be more policies than one and if the total Term Assurance Rider Sum Assured exceeds Rs. 25 lakhs, the benefits shall apply to the first Rs. 25 lakhs Term Assurance Rider Sum Assured in order of date of policies issued.

Benefits payable on surrender of Basic Plan: This rider shall not acquire any Paid-up Value and no surrender value will be available under this rider. However, if this rider has been opted for and on surrender of the Basic Plan to which this rider is attached, provided all the due premiums in respect of this rider and Basic Plan have been paid and the Basic Plan has acquired surrender value, additional Term Assurance Rider premium charged in respect of Term Assurance Rider cover after premium paying term shall be refunded as follows:

In case of Surrender during Premium Paying Term: 75% * d* (Pppt-Pn)*(Term Assurance Rider Sum Assured/1000)

In case of Surrender after Premium Paying Term

75% * Pppt *(Term assured Rider Sum Assured/1000)*(ppt/n)*(n-t)

Pppt =Tabular annual premium for the limited premium paying term per Rs. 1000/-Term Assurance Rider Sum Assured at inception

= Equivalent Tabular annual Regular premium per Rs. 1000/-Term Assurance Rider Sum Assured applicable to the Life Assured's age at inception and term of the rider being n years.

(Above Premiums excludes service tax and extra premium, if any.)

d = Policy duration elapsed in completed years as on date of si

n = Term of the Rider

ppt = Premium paying term of the Rider

t = Policy duration elapsed in nearest completed years as on the date of

 Participation in profits: Provided the policy is in full force, depending upon the Corporation's experience the policy shall participate in profits in accordance with the provisions of Section 28 of LIC Act. 1956, as amended from time to time and this policy will be eligible for Simple Rev Bonus and Final Additional Bonus, if any, at such rate and on such terms as may be declared by the Corporation.

Simple Reversionary Bonuses shall be declared annually at the end of each financial year provided the policy is in full force. Once declared, they form part of the guaranteed benefit of the plan.

In case the premiums are not duly paid, the policy shall cease to participate in profits irrespective of whether or not the policy has acquired paid up value.

In the event of policy being surrendered, the Surrender Value of vested bonuses, if any, as applicable on the date of surrender, will be payable as specified in Condition 5 of Part D of this Policy document.

Final Additional Bonus may also be declared under the policy in the year when the policy results into a claim either by death or maturity.

Final Additional Bonus shall not be payable under paid up policie 5. Payment of Premiums

(a). The premium payable will be "total instalment premium" which includes

- Instalment premium for Basic Plan and ii. Instalment premium for LIC's Accidental Death and Disability Benefit Rider, if Accidental Death and Disability Benefit Rider option has been exercised.
- Instalment premium for LIC's New Term Assurance Rider, if New Term Assurance Rider option has been exercised.
- (b). Grace period: A grace period of one month but not less than 30 days shall be allowed for payment of yearly or half-yearly or quarterly premiums and 15 days for monthly premiums. If the premium is not paid before the expiry of the days of grace, the Policy lapses.

If the death of the Life Assured occurs within the grace period but before the payment of the premium then due, the policy will still be valid and the benefits shall be paid after deductions of the said unpaid premium as also the unpaid premium/s falling due before the next anniversary of the

(c) If the policy has not lapsed and the claim is admitted in case of death of Life Assured under a Policy where the mode of payment of premium is other than yearly, unpaid premium(s), if any, falling due before the next policy anniversary shall be deducted from the claim amount

सेवा से संबंधित शर्तें

1. आयु प्रमाण: प्रस्ताव पत्र पर घोषित बीमित व्यक्ति की आयु, आयु प्रीमियम की गणना हो जाने के उपरांत यदि घोषित आयु से अधिक पाई जाती है तो बीमा अधिनियम 1938 के अंतर्गत जपलब्ध अधिकारों और उपचारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे मामले में , भ्रीमियम मूल बीमा राशि एवं राइडर बीमा राशि पर अगर है तो एवं प्रवेश के समय सही आयु के आधार पर निकाली गई दर से देय होगा और पॉलिसी आरंभ होने से लेकर ऐसे भुगतान की तिथि तक मूल प्रीमियम और सही आयु के प्रीमियम के बीच के अंतर की संचित राशि और उस पर उसी अविध के लिए निगम द्वारा उस समय प्रचलित दर से ब्याज सहित भुगतान करेगा, तथापि प्रावधान है कि यदि बीमित ब्यक्ति इसमें उल्लिखित प्रीमियम की दर से भुगतान करता रहे और उपयुक्त संचित ऋण राशि का भुगतान न करे तो पॉलिसी प्रारंभ होने की तिथि से पॉलिसी के दावा बनने की तिथि तक सही आयु के प्रीमियम और मूल प्रीमियम के बीच के अंतर की संचित राशि और ऐसे अंतर की प्रत्येक किश्त पर दावे के समय निगम द्वारा निर्धारित दर के अनुसार ब्याज के साथ देय होगी, उसे पॉलिसी पर बीमित व्यक्ति द्वारा देय ऋण माना जाएगा तथा पॉलिसी के अंतर्गत दावा होने पर पॉलिसी भुगतान राशि से काट लिया जाएगा.

यह भी प्रावधान हैं कि प्रवेश के समय बीमित व्यक्ति की सही आयु जो उक्त तालिका में निर्दिष्ट बीमा वर्ग या शर्तों के अधीन बीमा के लिए उसे अयोग्य बना दे तो उसे इस पॉलिसी के प्रारंभ में प्रचलित प्रश्ना के अनुसार निगम द्वारा प्रदान किए जाने वाले ऐसे बीमा की योजना से बीमा वर्ग या शतों को परिवर्तित कर दिया जाएगा, बशर्ते बीमित व्यक्ति को स्वीकार हो, अन्यथा पॉलिसी

2. जब्ती से सुरक्षा संबंधी नियम: अगर उक्त पॉलिसी के अंतर्गत में दो वर्ष से कम की प्रीमियम का तो इस पॉलिसी के अंतर्गत समस्त लाभ प्रथम अदत्त पीमियम की तिथि से रियायत की अवधि की समाप्ति के बाद स्थगित हो जाएंगे और कुछ भी देय नहीं होगा.

हालांकि, यदि इस पॉलिसी के अंतर्गत में कम से कम दो पूर्ण वर्षों के प्रीमियम का भुगतान करने और किसी अनुवर्ती प्रीमियम का भुगतान नियमानुसार न करने के बाद, यह पॉलिसी पूर्णतः अवैध नहीं होगी, बल्कि चुकता पॉलिसी के रूप मे रहेगी.

प्रदत्त पॉलिसी के तहत् मृत्यु पर बीमा राशि योग के लिए घटा दी जाएगी जिसे ''मृत्यु प्रदत्त बीमा राशि'' कहा जाता है. और यह देय प्रीमियमों की कुल संख्या और मृत्यु पर बीमा राशि के समान अनुपात में होगी यानि कि, मृत्यु प्रदत्त राशि = मृत्यु पर देय राशि * (भुगतान किए गए प्रीमियम की संख्या) भुगतान अवधि के दौरान देय प्रीमियम की संख्या)

प्रदत्त पॉलिसी के तहत परिपक्वता पर बीमा राशि योग के लिए घटा दी जाएगी जिसे 'परिपक्वता प्रदत्त बीमा राशि'' कहा जाता है. और यह देय प्रीमियमों की कुल संख्या और परिपक्वता पर बीमा राशि के बराबरी के अनुपात में होगी यानि कि, परिपक्वता प्रदत्त राशि = परिपक्वता पर देय राशि * (भुगतान किए गए प्रीमियम की संख्या/देय प्रीमियम की संख्या)

जहां ऐसी पॉलिसी बीमाकृत राशि कम हुई है, उल्लेखित प्रीमियमों के भीतर उनके भुगतान के लिए समस्त दायित्वों से मुक्त होगी, लेकिन भविष्य में लाभ में प्रतिभागिती खत्म हो जाएगी. हालांकि, निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस कम की गई प्रदत्त पॉलिसी से ही जुड़े रहेंगे.

उपरोक्त कथन के बावजूद, यदि इस पॉलिसी के अंतर्गत कम से कम तीन पूर्ण वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किए जाने के बाद, किसी अनुवर्ती प्रीमियम का भुगतान नियमानुसार नहीं किया जाता है, तो प्रथम अदत्त प्रीमियम की नियत तिथि से 6 माह के भीतर बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने की दशा में निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस के साथ ''मृत्यु पर बीमित राशि'' का भुगतान, काटकर मूल बीमाकृत राशि के (क) मूल बीमा पॉलिसी के तहत अदत्त प्रीमियम, मृत्यु दिनांक तक ब्याज के साथ देय होगी-उन्हीं शर्तों पर जैसे कि उस समय पॉलिसी में पुनर्चलन हेतु किया जाता, और (ख) मूल पॉलिसी के तहत अगली पॉलिसी वर्षगांठ के पूर्व अदत्त प्रीमियम का भुगतान उसी प्रकार किया जाएगा जैसे कि पॉलिसी पूर्ण रुप से चालू रही हो.

उपरोक्त कथन के बावजूद, कि यदि कम से कम पांच वर्षों की अवधि का प्रीमियम भुगता किया गया है और बाद में किसी भी प्रीमियम का विधिवत भुगतान नहीं किया गया है, यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु , प्रीमियम को देय तिथि से प्रथम अवैतिनक प्रीमियम के 12 महीने के भीतर होती है तो निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस के साथ ''मृत्यु पर बीमा राशि'' का भुगतान को काटकर हता गिर्माहर जाना निर्माण करिया है। मूल बीमाकृत राशि के (क) मूल बीमा पॉलिसी के तहत अवस्त प्रीमियम, मृत्यु दिनांक तक ब्याज के साथ देय होगी-उन्हीं शर्तों पर जैसे कि उस समय पॉलिसी में पुनर्चलन हेतु किया जाता, और (ख) मूल पॉलिसी के तहत अगली पॉलिसी वर्षगांठ के पूर्व अदत्त प्रीमियम का भुगतान उसी , प्रकार किया जाएगा जैसे कि पॉलिसी पूर्ण रुप से चालू रही हो.

उपरोल्लेखित जब्ती से सुरक्षा संबंधी नियम वैकल्पिक राइंडर (ओं) के लिए लागू नहीं है. जैसा कि वह किसी भी प्रदत्त मूल्य को अधिगृहीत नहीं करते हैं. यदि पॉलिसी कालातीत अवस्था में है तो वह समाप्ति की ओर बढ़ने लगती है.

3. कालातीत पॉलिसी का पुनर्चलन: यदि पॉलिसी के रियायत अवधि के भीतर बकाया प्रीमियम न जमा करने के कारण पॉलिसी कालातीत हो गयी है तो उसे बीमित व्यक्ति के जीवनकाल में, प्रथम अदत्त प्रीमियम की तिथि से 2 क्रमागत वर्ष की अवधि के भीतर तथा परिपक्वता तिथि के पूर्व निगम को सतत बीमायोग्यता का संतोषप्रद प्रमाण प्रस्तुत करने पर तथा सभी बकाया प्रीमियमों का भुगतान के समय निगम द्वारा समय समय पर निर्धारित दर से छमाही चक्रवृद्धि ब्याज के साथ भुगतान करके पुनर्चलन कराया जा सकता है. तथापि, निगम बंद पॉलिसियों के प्रवर्तन को मूल शर्तों पर स्वीकार या संशोधित दरों पर स्वीकार करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है. बंद पॉलिसी का पुनर्चलन तभी प्रभावी होगा जब निगम द्वारा उसे अनुमोदित कर दिया जाएगा तथा विशिष्ट रूप से प्रस्ताव/बीमित व्यक्ति को सूचित कर दिया

राइंडर (ओं) का पुनर्चलन, यदि चयन किया गया है, तो उसका मूल पॉलिसी के पुनर्चलन के साथ ही विचार किया जाएगा, अलग से नहीं.

- ऋण: पॉलिसी अविध के दौरान ऋण लिया जा सकता है, बशर्ते कम से कम दो पूर्ण वर्षों के प्रीमियमों का भुगतान किया गया हो, जो निम्नांकित नियमों व शर्तों तथा ऐसे आगामी नियमों व शर्तों के अधीन होगा. जो निगम समय-समय पर तय कर सकता है. तथा जो ऐसी राशि के लिए पॉलिसी के अभ्यर्पण मल्य के भीतर होगा.
 - 1. लिए गए ऋण और उस पर देय ब्याज की वसुली के लिए जमानत के रूप में पॉलिसी पूर्णतः नेगम के नाम पर समनुदेशित की जाएगी और उसके द्वारा रखी जाएगी.
- 2. निगम को ऋण पर ब्याज का भुगतान संबंधित ऋण स्वीकृत करते समय निगम द्वारा निर्धारित दर से छमाही चक्रवृद्धि आधार पर किया जाएगा. ब्याज का प्रथम भुगतान अगली पॉलिसी वर्षगांठ या छः माह पूर्व आने वाली तिथि, इनमें जो भी संबंधित ऋण देने के तत्काल बाद आए, पर किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही आधार पर किया जाएगा. ब्याज कम से कम छ: माह के लिए लिया जाएगा.
- 3. उन पॉलिसियों के मामले में, जो प्रभावी नहीं है, यानि प्रदत्त पॉलिसियों के मामले में, यहां उपरोक्तानुसार वर्णित तिथि पर ऋण ब्याज का सुगतान बकाया होने की दशा में, निगम ऐसी पॉलिसियों को 30 दिन की सूचना अवधि के पूरा होने के बाद किसी भी समय बंद करने का अधिकारी होगा, यदि ब्याज निरंतर बकाया रहते हैं. ऐसी पॉलिसियां बंद होने के बाद बंद होने जी तिथि पर बकाया ऋण एवं सचित ब्याज की कटौती के बाद अभ्यर्पण मूल्य, यदि कोई है, के भुगतान की अधिकारी होगी. यदापि प्रभावी पॉलिसियों की स्थित में (जहां सभी बकाया प्रीमियमों का भुगतान किया गया है), बंद करने की कार्यवाही लागू नहीं होगी.
- 4. पॉलिसी के परिपक्व होने की स्थिति में या मृत्यु दावे की स्थिति में निगम ऋण राशि या उसके

CONDITIONS RELATED TO SERVICING ASPECTS

Proof of Age: The premiums having been calculated on the age of the Life Assured as declared in the Proposal, in case the age is found higher than such age, without prejudice to the Corporation's other rights and remedies, including those under the Insurance Act, 1938, the premiums shall be payable in such case at the rate calculated on the Basic Sum Assured and Rider(s) Sum Assured, if opted for, for the correct age at entry, and the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums, from the commencement of the Policy upto the date of such payment shall be paid to the Corporation with interest at such rate as fixed by the Corporation from time to time. However, in case the Life Assured/Proposer continues to pay the premiums at the rates shown herein, and also does not pay the above mentioned accumulated debt, the accumulated difference between the premiums for the correct age and the original premiums from the commencement of this Policy up to the date or which the Policy becomes a claim, with interest on each instalment of such difference at such rate as may be fixed by the Corporation from time to time, shall accrue and be treated as a debt due by the Life Assured / Proposer against the said Policy and shall be deducted from the Policy moneys payable on the Policy becoming a claim.

Provided further that if the Life Assured's correct age at entry is such as

would have made him/her uninsurable under the class or terms of assurance specified in the said Schedule hereto, the class or terms shall stand altered to such Plan of Assurance as are granted by the Corporation according to the practice in force at the commencement of this policy subject to the consent of the Policyholder, otherwise the policy will be cancelled.

Non-forfeiture Regulations: If less than two years' premiums have been paid in respect of this policy and any subsequent premium be not duly paid all the benefits under this policy shall cease after the expiry of grace period from the date of first unpaid premium and nothing shall be payable.

However, if, after atleast two full years' premiums have been paid and any equent premiums be not duly paid, this policy shall not be wholly void but shall subsist as a paid-up policy.

The Sum Assured on Death under a paid-up policy shall be reduced to such a sum, called 'Death Paid-up Sum Assured' and shall bear the same ratio to the Sum Assured on Death as the number of premiums paid bears to the Assured on Death * (no. of premiums payable i.e. Death Paid-up Sum Assured = Sum Assured on Death * (no. of premiums payable during the premium paying term)

The Sum Assured on Maturity under a paid-up policy shall be reduced to such a sum called 'Maturity Paid-up Sum Assured' and shall bear the same ratio to the Sum Assured on Maturity as the number of premiums paid bears to the total number of premiums payable i.e. Maturity Paid-up Sum Assured Sum Assured on Maturity * (no. of premiums paid / no. of premiums

The policy so reduced shall thereafter be free from all liabilities for payment of the within mentioned premiums, but shall not be entitled to participate in future profits. However, the vested simple reversionary bonuses shall remain attached to the reduced paid up policy.

Notwithstanding what is stated above, if atleast 3 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of the death of the Life Assured within six months from the due date of first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested simple reversionary bonuses will be paid after deduction of (a) the premium or premiums unpaid with interest thereon upto the date of death on the same terms as for revival of the Policy during such period, and (b) the unpaid premiums falling due before the next Policy anniversary.

Notwithstanding what is stated above, if at least 5 full years' premiums have been paid in respect of this policy, and any subsequent premium be not duly paid, in the event of death of the Life Assured within 12 months from the first unpaid premium, "Sum Assured on Death" along with vested simple reversionary bonuses will be paid after deduction of (a) the premium or premiums unpaid with interest thereon upto the date of death on the same terms as for revival of the Policy during such period, and (b) the unpaid

premiums falling due before the next Policy anniversary.
The above mentioned non-forfeiture provisions do not apply to optiona Rider(s) as they do not acquire any paid up value and the rider benefit ceases to apply, if policy is in lapsed condition.

Revival of lapsed Policies: If the Policy has lapsed due to non payment of

due premium within the days of grace, it may be revived during the life time of the Life Assured, but within a period of 2 consecutive years from the date of the first unpaid premium on submission of proof of continued insurability to the satisfaction of the Corporation and the payment of all the arrears of premium together with interest (compounding half-yearly) at such rate as fixed by the Corporation from time to time. The Corporation however, reserves the right to accept at original terms, accept with modified terms or decline the revival of a discontinued policy. The revival of the discontinued policy shall take effect only after the same is approved by the Corporation and is specifically communicated to the Life Assured.

Revival of Rider(s), if opted for, will only be considered along with the revival of the Basic Plan and not in isolation.

Policy Loan: Loan can be availed under this policy provided atleast two full

years' premiums have been paid subject to the following terms and conditions, within the surrender value of the policy for such amounts and on such further terms and conditions as the Corporation may fix from time to

- The Policy shall be assigned absolutely to and held by the Corporation
- as security for the repayment of Loan and of the interest thereon; Interest on Loan shall be paid on compounding half-yearly basis to the Corporation at the rate to be specified by the Corporation at the time of taking loan under this policy. The first payment of interest is to be made on the next Policy anniversary or on the date six months before the next Policy anniversary whichever immediately follows the date on which the Loan is sanctioned and every half year thereafter. Interest is charged for a minimum period of six months;
- In case of policies which are not inforce i.e. paid-up policies, in the event
 of default in payment of loan interest on the due date as herein mentioned above, the Corporation would be entitled to foreclose such policies which continue to be in default, anytime after expiry of notice period of 30 days. Such policies when being foreclosed shall be entitled to payment of surrender value as on date of foreclosure, if any, after deduction of outstanding loan and accrued interest. However, in case of inforce policies (where all the due premiums stand paid) and fully paid up policies(where all premiums payable during the term of the policy stand paid), foreclosure action shall not be applicable;
- 4. In case the policy shall mature or become a claim by death, the

किसी भाग का, जो बकाया हो, पॉलिसी धन से ब्याज सहित काटने का अधिकारी होगा.

5. अभ्यर्पण: पॉलिसी को पॉलिसी अवधि के दौरान किसी भी समय अभ्यर्पित किया जा सकता है. बशर्ते कम से कम दो निरंतर पूर्ण वर्षों की प्रीमियमों का भुगतान कर दिया गया हो गारंटीकृत अभ्यर्पण मूल्य भुगतान की गई कुल प्रीमियमों (कर की निवल) के प्रतिशत में होगा जिसमें कोई अतिरिक्त पीमियम एवं दर्घटना लाभ हितलाभ, यदि इसे चना गया है, के लिए पीमियम में शामिल नहीं हैं. यह प्रतिशत पॉलिसी अवधि एवं उस पॉलिसी वर्ष पर आधारित होगा, जिसमें पॉलिसी को अभ्यर्पित किया गया है और इस प्रलेख के लिए परिशिष्ट-। के रूप में संलग्न है इसके अलावा निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस का अभ्यर्पण मल्य, यदि कोई हो। देय होगा। और यह निहित बोनस के अभ्यर्पण मूल्य के लागू निहित बोनस के मूल्य कारक के गुणांक के बराबर होता है. यह अभ्यर्पण मूल्य के कारक, पॉलिसी अवधि और पॉलिसी वर्ष (जिस वर्ष में पॉलिसी का अभ्यर्पण किया गया) पर निर्भर करता है. और यह अनुबंध-॥ में इस दस्तावेज़ के साथ संलग्न होती है. तथापि इस पॉलिसी के तहत्, विशेष अभ्यर्पण मूल्य देय होगा, यदि यह पॉलिसीधारक के लिए अधिक हितकर हो. विशेष अभ्यर्पण मूल्य, चुकता बीमाकृत राशि का परिपक्वता पर प्रदत्त बीमा राशि (भाग डी के शर्त 2 में उल्लेखित) और निहित साधारण प्रत्यावर्ती बोनस की रियायती मूल्य होगा, यदि कोई हो. इस पॉलिसी के लिए लागू रियायत घटक आईआरडीएआई के पूर्व अनुमोदन के साथ समय-समय पर बदल सकते हैं. राइडर(ओं) पर कोई अभ्यर्पण मूल्य उपलब्ध नहीं होगा, यदि कोई है.

भाग इ लागू नहीं

भाग एफ

अन्य नियम व शर्ते

- मुफ्त लुक अविधः मफ्त लुक अविध के दौरान, अगर पॉलिसीधारक पॉलिसी के नियम तथा शर्तों से संतुष्ट नहीं हैं तो वह अपनी आपत्तियों के कारण का उल्लेख करते हुए पॉलिसी को (इसकी प्राप्ति की तिथि से 15 दिनों के अंदर निगम को) लौटा सकता है. इसके प्राप्त होने पर नेगम पॉलिसी को रद्द कर देगा तथा संरक्षित जोखिम अवधि के लिए आनुपातिक जोखिम प्रीमियम (मूल प्लान और राइंडर, अगर चुना गया हो, के लिए) स्वास्थ्य जांच शुल्क व स्टैम्प ड्यूटी हेतु शुल्क को काटकर, जमा किए गए प्रीमियम को लौटा देगा.
- कुष्ठ घटनाओं में जन्ती: यहाँ निहित या पुष्ठांकित किसी परिस्थिति के उल्लंघित होने की स्थिति में या इस प्रस्ताव में, किसी निजी कथन, घोषणा तथा संबंधित कागजातों में कोई असत्य या गलत कथन पाये जाने पर या किसी महत्त्वपूर्ण जानकारी के नहीं बताये जाने की स्थिति में एवं प्रत्येक ऐसी स्थिति में पॉलिसी अमान्य हो जाएगी एवं ऐसी पॉलिसी के फलस्वरूप किसी भी हितलाभ के सभी दावे समय-समय पर संशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के पावधानों के अधीन होंगे
- 3. समानुदेशन तथा नामांकनः अ)समानुदेशनः इस प्लान के अंतर्गत समय-समय पर रोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के अंतर्गत समानुदेशन की अनुमति है. धारा 38 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के परिशिष्ट-III में दिए गए है. समानुदेशन की सूचना, पंजीकरण के लिए पॉलिसी को सेवा प्रदान करने वाले निगम के कार्यालय में दी जानी चाहिए.
- **ब) नामांकन:** समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 39 के अंतर्गत गलिसीधारक को नामांकन करना जरूरी है. धारा 39 के मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी के अनुसूची -IV में दिये गये है.

नामांकन या नामांकन में परिवर्तन की सूचना पॉलिसी को सेवा प्रदान करने वाली निगम कार्यालय में पंजीकरण हेतु दी जानी चाहिए. नामोंकन का पंजीकरण करते समय निगम उसकी वैधता या कानूनी प्रभाव के बारे में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता है या अपनी कोई राय नहीं देता है.

- आत्महत्या: यह पॉलिसी अवैध हो जाएगी.
- i. यदि बीमित व्यक्ति जोखिम शुरु होने की तिथि से 12 माह के भीतर किसी भी समय आत्महत्या कर लेता है (मानसिक रूप से स्वस्थ या अस्वस्थ) तो निगम दारा इस पॉलिसी के अंतर्गत पर किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा, प्रदत्त प्रीमियमों के 80% को छोड़कर, जिसमें कोई कर, अतिरिक्त प्रीमियम और राइडर प्रीमियम अवधि राइडर के अलावा अन्य प्रीमियम शामिल नहीं है, यदि कोई हो, बशर्ते पॉलिसी चाल अवस्था में हो
- ii. यदि बीमित व्यक्ति पॉलिसी पुनर्चलन होने की तिथि से 12 माह के भीतर कभी किसी भी समय आत्महत्या कर लेता है (मानसिक रूप से स्वस्थ या अस्वस्थ) तो मृत्यु तिथि तक प्रदत्त प्रीमियमों के 80% (किसी कर, अतिरिक्त प्रीमियम और राइंडर प्रीमियम और अवधि राइंडर के अलावा अन्य प्रीमियम को छोड़कर, यदि कोई हो) या अभ्यर्पण मुल्य, जो भी अधिक हो, राशि देय होगी. बशर्ते पॉलिसी चालू अवस्था में हो. निगम द्वारा इस पॉलिसी के अंतर्गत किसी अन्य दावे पर विचार नहीं किया जाएगा. यह वाक्यांश कालातीत पॉलिसी के लिए लागू है जो कि किसी भी अभ्यर्पण मूल्य को अधिगृहित नहीं करता है अतः ऐसी अवस्था में कुछ भी राशि देय नहीं होगी.
- 5. **कर:** कर सेवाकर सहित, यदि कोई हो, कर कानून के अनुसार होगा और कर की दर निर्धारित

निर्धारित दरों के अनुसार कर की राशि अतिरिक्त प्रीमियम सहित एकल प्रीमियम पर पॉलिसीधारक द्वारा देय होगी, यदि कोई हो. योजना के तहत प्रदत्त कर की राशि पर योजना के अंतर्गत देय लाभों की गणना के लिए विचार नहीं किया जाएगा

6. दावे की सामान्य अपेक्षाएं: पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर दावेदार द्वारा दावा प्रस्तुत करते समय देय साधारण दस्तावेज़ों में दावा फार्म. मल पॉलिसी दस्तावेज़. बैंक खाते में दावे की राशि सीधे जमा करने के लिए दावाकर्ता की ओर से एनईएफटी आदेश पत्र स्वामित्व प्रमाणपत्र, मृत्यु का प्रमाणपत्र, मृत्यु से पूर्व का चिकित्सीय उपचार, नियोक्ता का प्रमाणपत्र, इनमें से जो लागू ह निगम को संतोषप्रद रूप में पेश करना होगा. अगर पॉलिसी के अंतर्गत आयु स्वीकृत नहीं की गई

है, तो बीमित व्यक्ति की आयु का प्रमाण भी प्रस्तुत करना होगा. जहां पॉलिसी पूर्णाविध दावे में परिवर्तित होती है या विद्यमानता हितलाभ के अभ्यर्पण की दशा में बीमित व्यक्ति द्वारा आय प्रमाणपत्र. अगर आय पहले सवीकृत नहीं हुई है. के साथ विमक्ति पत्र और मूल पॉलिसी प्रलेख, बैंक खाते में दावे की राशि सीधे जमा करने के लिए दावाकर्ता की ओर से एनईएफटी आदेश पत्र प्रस्तुत किया जाएगा.

- 1) प्रथम सूचना प्रतिवेदन (एफ़आईआर) की एक प्रमाणित प्रति.
- 2) पुलिस अनुसंधान प्रतिवेदन रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति.
- 3) पंचनामे की प्रतिलिपि
- भृत्यु के संभावित कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट. यदि पोस्टमार्टम में विसरा को संरक्षित किया गया हो तो उसकी विषय-वस्तुओं को जानने के लिए रासायनिक विश्लेषक प्रतिवेदन, कि बीमित व्यक्ति ने शराब, नशीले दवाओं, नारकोटिक्स या जहर का सेवन तो
- 5) समाचार पत्र की कतरन जहां दुर्घटना प्रतिवेदित हुई हो.
- 6) यदि मृत्यु वाहन दुर्घटना के कारण हुई है तो ड्राइविंग लाइसेंस की प्रति, यदि बीमित व्यक्ति 7) मृत्यु के बारे में सब- डिविजनल मजिस्ट्रेट का अंतिम निर्णय- इससे मृत्यु का वर्गीकरण
- स्वाभाविक/आत्महत्या/दुर्घटनावश के रूप में होगा. अगर दुर्घटना को पुलिस प्राधिकारियों को प्रतिवेदित नहीं किया गया है, जैसे कुत्ता या सांप काटने से मृत्यु, तो वैकल्पिक साक्ष्य, जैसे प्रत्यक्षदशी साक्षी का वक्तव्य, ग्रामसेवक या
- शासकीय अधिकारियों का शपथ पत्र, हमारा अपना पूछताछ प्रतिवेदन, इलाज करनेवाले चिकित्सक या प्रतिवेदन आदि पर्याप्त हो सकते हैं.
- 9) अस्पताल उपचार अभिलेख, आदि.
- 7. वैधानिक परिवर्तनः इस पॉलिसी के अंतर्गत देय प्रीमियमों और हितलाभ सहित नियम और शर्तें संबंधित कानूनों और विनिमयों के अनुसार परिवर्तनीय हैं.
- 8. लाभ चित्रण: मानक जीवन पूर्वधारणा पर आधारित आपका अनुकूलित लाभ चित्रण इस प्रलेख के साथ संलग्न है

Corporation shall become entitled to deduct the amount of the Loan or any portion thereof which is outstanding, together with all interest from the policy moneys.

5. Surrender: The policy can be surrendered at any time during the policy term provided atleast two full years' premiums have been paid.

The Guaranteed Surrender Value shall be a percentage of total premiums

paid (net of tax) excluding any extra premiums and premiums for rider(s), if opted for. This percentage will depend on the policy term and policy year in which the policy is surrendered and is enclosed as Annexure - I to this

In addition, the surrender value of vested simple reversionary bonuses, if any shall also be payable which is equal to vested bonuses multiplied by the Surrender Value factor applicable to vested bonuses. These surren value factors will depend on the policy term and the policy year in which

policy is surrendered and is enclosed as Annexure – It of this document.

However, under this policy, Special Surrender Value will be payable, if it is more favorable to the Policyholder. The Special Surrender Value will be the discounted value of the sum of Maturity Paid-up Sum Assured (as defined in Condition 2 of Part D) and vested Simple Reversionary Bonuses, if any. These discounting factors applicable to this policy may change from time to time with prior approval of IRDAI.

No surrender value will be available on Rider(s), if any.

Part E Not Applicable

- OTHER TERMS AND CONDITIONS

 1. Free Look period: During the Free Look period, if the Policyholder is not satisfied with the Terms or Conditions of the policy, he/she may return the policy to the Corporation stating the reason of objections. On receipt of the same the Corporation shall cancel the policy and return the amount of premium deposited after deducting the proportionate risk premium (for Basic Plan and riders, if any) for the period on cover and charges for medical examination, special reports, if any and stamp duty.
- Forfeiture in Certain Events: In case any condition herein contained or endorsed hereon shall be contravened or in case it is found that any untrue or incorrect statement is contained in the proposal, personal statement, declaration and connected documents or any material information is withheld. then and in every such case this policy shall be void and all claims to any benefit in virtue of this policy shall be subject to the provisions of Section 45 of the Insurance Act, 1938, as amended from time to time
- Insurance Act, 1938, as amended from time to time.

 Assignments and Nominations: a)Assignment: Assignment is allowed under this plan as per section 38 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 38 are contained in Annexure-III of this policy document. The notice of assignment should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced.

 b) Nominations: Nomination by the holder of a policy of life assurance is required as per section 39 of the Insurance Act, 1938 as amended from time to time. The current provisions of Section 39 are contained in Annexure-IV of this policy document.

 The notice of nomination or change of nomination should be submitted for registration to the office of the Corporation, where the policy is serviced. In registering nomination the Corporation does not accept any responsibility or express any opinion as to its validity or legal effect.

 Suicide: This policy shall be void

- Suicide: This policy shall be void
 - If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide at any time within 12 months from the date of commencement of risk and the Corporation will not entertain any claim under this policy except to the extent of 80% of the premiums paid excluding any taxes, extra premium and rider premium(s) other than term assurance rider, if any, provided the policy is inforce.
 - If the Life Assured (whether sane or insane) commits suicide within 12 months from date of revival, an amount which is higher of 80% of the premiums paid till the date of death (excluding any taxes, extra premium and rider premium(s) other than term assurance rider, if any,) or the surrender value, shall be payable. The Corporation will not entertain any other claim under this policy. This clause shall not be applicable for a lapsed policy which has not acquired any surrender value and hence nothing shall be payable.
- Tax: Taxes including Service Tax, if any, shall be as per the Tax laws and the rate of tax shall be as applicable from time to time.

 The amount of tax as per the prevailing rates shall be payable by the recommendation of the control of the cont

policyholder as and when the premiums are paid, on the Installment premium including extra premium and rider premium, if any. The amount of tax paid shall not be considered for the calculation of benefits payable under

Normal requirements for a claim: The normal documents which the claimant shall submit while lodging the claim in case of death of the Life Assured shall be claim forms, as prescribed by the Corporation, accompanied with original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account, proof of title, proof of death, medical treatment prior to the death, school/ college employer's certificate, whichever is applicable, to the satisfaction of the Corporation. If the age is not admitted under the policy, the proof of age of the Life assured shall also be submitted.

Where the policy results into a maturity claim or results into a survival benefits claim or in case of surrender of the policy, the Life Assured shall submit the discharge form along with the original policy document, NEFT mandate from the claimant for direct credit of the claim amount to the bank account besides proof of age, if the age is not admitted earlier.

Where policy results into a accidental disability/death claim the applicable statements from the following list may be called to ascertain circumstances under which death / disability took place:

1) A certified copy of first information report (FIR).

- A certified copy of police inquest report.
 Copy of panchanama.
- 4) Post mortem report to know the probable cause of death. If viscera is preserved in post mortem, then chemical analyzer report to know the contents i.e. whether life assured has consumed liquor, drugs, narcotics
- 5) News paper cuttings where accident is reported.
- 6) If death is due to vehicle accident, then copy of driving licence, if life assured was driving the vehicle.
- 7) Sub-divisional magistrate final verdict about death- this will give classification of death as 'natural/suicide/accidental'
- When accident is not reported to police authorities, like death due to dog or snake bite, then alternate proofs such as statement of eye witness, affidavit of gramsevak or govt. officials, our own enquiry report, attending physician or hospital reports may be sufficient.
- 9) Hospital treatment records, etc.
- **Legislative Changes:** The Terms and Conditions including the premiums and benefits payable under this policy are subject to variation in accordance with the relevant Legislation & Regulations.
- 8. Benefit Illustration: Your customized Benefit Illustration based on standard

भाग जी - सांविधिक प्रावधान बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45:

समय-समय पर यथासंशोधित बीमा अधिनियम 1938 की धारा 45 के प्रावधान लागू होंगे। मौजूदा प्रावधान इस पॉलिसी दस्तावेज के अनुसूची -V में दिये गये है।

शिकायत समाधान प्रणाली :

ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए निगम के शाखा/मंडल/क्षेत्रीय/केन्द्रीय कार्यालय में शिकायत . समाधान अधिकारी हैं। ग्राहकों की शिकायत का शीघ्र समाधान करने के लिए निगम ने अपने कस्टमर पोर्टल (वेबसाइट) http://www.licindia.in के ज़रिए ग्राहक शुभिवन्तक एकीकृत शिकायत प्रबंधन प्रणाली प्रस्तुत की है, जिसके ज़रिए पंजीकृत पॉलिसीधारक अपनी शिकायत को सीधे दर्ज कर सकते हैं तथा उसकी स्थिति पर निगरानी रख सकते हैं। ग्राहक अपनी किसी समस्या के समाधान के लिए ईमेल आईडी co_crmgrv@licindia.com पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

अगर प्राप्त भी गहक संतुष्ट नहीं हो या उसे 15 दिनों के अंदर हमसे कोई प्रतिसाद न मिले तो ग्राहक निम्नलिखितकिसी माध्यम से आईआरडीएआई के शिकायत कक्ष को सम्पर्क कर सकता है।

- टोल फ्री नंबर 155255/18004254732 (अर्थात आईआरडीएआई शिकायत कॉल सेन्टर) पर
- यहाँ ई मेल भेजे complaints@irda.gov.in
- ऑनलाइन शिकायत http://www.igms.irda.gov.in पर दर्ज करे
- कूरियर/पत्र के जरिए शिकायत यहाँ भेजकरः उपभोक्ता मामले विभाग, भारतीय बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण, 9वीं मंजिल, युनायटेड इंडिया टावर्स, बशीरबाग, हैदराबाद - 500 029, आंध्र प्रदेश।
- फैक्स नं. 040-66789768 पर शिकायत भेजे

जो दावेदार मृत्यु के दावे को अस्वीकृत किए जाने के निर्णय से असंतुष्ट हों वे अपने मामले को समीक्षा के लिए क्षेत्रीय कार्योलय दावा विवाद समाधान समिति या केन्द्रीय कार्यालय दावा विवाद समाधान समिति के पास भेज सकते हैं। प्रत्येक दावा विवाद समाधान समिति में उच्च न्यायालय/जिला न्यायालय के एक सेवानिवृत्त जज सदस्य के रूप में हैं। दावों से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए दावेदार भारत सरकार द्वारा नियुक्त बीमा लोकपाल से भी सम्पर्क कर सकते हैं जो कि ग्राहकों को कम खर्चे के साथ त्वरित गति से श्यता प्रदान करने के लिए है।

अनुबंध-I / Annexure – I

कुल वैतानिक प्रीमियम पर गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य के कारक Guaranteed Surrender Value factors applicable to total premiums paid							
	पॉलिसी अवधि / Policy Term						
		12	16	21			
	1	0.00%	0.00%	0.00%			
	2	30.00%	30.00%	30.00%			
	3	30.00%	30.00%	30.00%			
	4	50.00%	50.00%	50.00%			
	5	50.00%	50.00%	50.00%			
	6	50.00%	50.00%	50.00%			
<u>~</u>	7	50.00%	50.00%	50.00%			
× Ke	8	57.50%	53.75%	52.31%			
गॉलिसी वर्ष / Policy Year	9	65.00%	57.50%	54.62%			
重	10	72.50%	61.25%	56.92%			
₽	11	80.00%	65.00%	59.23%			
£	12	80.00%	68.75%	61.54%			
	13		72.50%	63.85%			
	14		76.25%	66.15%			
	15		80.00%	68.46%			
	16		80.00%	70.77%			
	17			73.08%			
	18			75.38%			
	19			77.69%			
	20			80.00%			
	21			80.00%			

परिशिष्ट ॥।

समनुदेशन-बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम,

- (1) बीमा पॉलिसी का अंतरण या समनुदेशन, पूर्णत: या अंशत: प्रतिफलसहित या इसके बिना, केवल पॉलिसी पर ही पष्ठांकन या अलग से इंस्टमेन्ट द्वारा किसी भी मामले में अंतरणकर्ता या समनुदेशक या उनके अधिकृत एजेन्ट द्वारा किया जा सकता है, जिसे कम से कम एक साक्षी द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए, विशेष रूप से अंतरण या अभ्यर्पण के तथ्य और कारण, समनुदेशित के पूर्ववृत्त और समनुदेशन की शर्तों का उल्लेख करते हुए।
- (2) बीमांकर्ता उप-धारा (1) के अंतर्गत किए गए किसी अंतरण या समनुदेशन को स्वीकार कर सकता है या किसी प्रषांकन को स्वीकार करने से मना कर सकता है। अगर उसके पास यह मानर का पर्याप्त कारण हो कि यह अंतरण या समनुदेशन वास्तविक नहीं है या पॉलिसीधारक के हित में या जनहित या बीमा पॉलिसी की ट्रेडिंग के प्रयोजन हेतु उपयुक्त नहीं है।
- (3) बीमाकर्ता, पृष्ठांकन पर अमल करने से इन्कार करने से पहले अपनी अस्वीकृति के कारण को लिखित में दर्ज करेगा तथा पॉलिसीधारक द्वारा ऐसे अंतरण या समनुदेशन का नोटिस देने की
- तिथि से 30 दिनों के अंदर ऐसी अस्वीकृति से पॉलिसीधारक को सूचित करेगा। (4) बीमाधारक द्वारा ऐसे अंतरण या पृष्ठांकन पर अमल करने से इन्कार करने से प्रभावित कोई व्यक्ति बीमाकर्ता से कारण सहित इन्कार की सूचना मिलने की तिथि से 30 दिनों के अंदर प्राधिकारी के पास अपना दावा रख सकता है।
- (5) उप–घारा (2) के प्रावधानों के अधीन, अंतरण या समनुदेशन पूर्ण होगा तथा ऐसे पृष्ठांकन या विधिवत सत्यापित इंस्ट्रूमेन्ट पर अमल प्रभावी होगा, सिवाय वहां जहां अंतरण या समनुदेशन बीमाकर्ता के पक्ष में है, बीमाकर्ता के विरुद्ध प्रभावी न होगा, तथा यह अंतरिती या समनुदेशित या उनके कानूनी प्रतिनिधि को ऐसी पॉलिसी के अंतर्गत राशि के लिए कानूनी दावा करने या उनके द्वारा धनराशि को सुरक्षित करने का अधिकार नहीं देता है। अंतरण या समनुदेशन का लिखित में नोटिस या उक्त पृष्ठांकन या इंस्ट्रमेन्ट की प्रति, जिसे जब तक कि अंतरणकर्ता तथा अंतरिरी दोनों या उनके विधिवत अधिकृत एजेन्ट्स द्वारा सत्य होने के लिए सत्यापित किया गया हो, बीमाकर्ता को सौंपा नहीं जाता है
- बशर्तें जहां बीमाकर्ता के भारत में एक या अधिक कारोबार के स्थान हो, वहां नोटिस को केवल वहीं
- पर दिया जाना है, जहां से पॉलिसी को सेवा प्रदान की जा रही है। (6) जिस तिथि को उप–धारा (5) में संदर्भित नोटिस बीमाकर्ता को सुपुर्द किया जाता है, उससे वह पॉलिसी में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों के बीच अंतरण या समनुदेशन के अंतर्गत सभी दावों के

Part G - STATUTORY PROVISIONS

Section 45 of Insurance Act, 1938:

The provisions of Section 45 of the Insurance Act, 1938 shall be applicable as amended from time to time. The current provisions are contained in Annexure-V of

Grievance Redressal Mechanisms

The Corporation has Grievance Redressal Officers at Branch/ Divisional/ Zonal/ Central Office to redress grievances of customers. For ensuring guick redressal of customer grievances the Corporation has introduced Customer friendly Integrated Complaint Management System through our Customer Portal (website) which is http://www.licindia.in. where a registered policy holder can directly registe complaint/ grievance and track its status. Customers can also contact at e-mail id co_crmgrv@licindia.com for redressal of any grievances.

In case the customer is not satisfied with the response or do not receive a response from us within 15 days, then the customer may approach the Grievance Cell of the IRDAI through any of the following modes:

Calling Toll Free Number 155255 / 18004254732 (i.e. IRDAI Grievance Call Centre)

- Sending an email to complaints@irda.gov.in
- Register the complaint online at http://www.igms.irda.gov.in
- Address for sending the complaint through courier / letter:
 Consumer Affairs Department, Insurance Regulatory and Development
 Authority of India, 9th Floor, United India Towers, Basheerbagh, Hyderabad 500 029, Andhra Pradesh.
- Sending the complaint by Fax to 040-66789768

Claimants not satisfied with the decision of death claim repudiation have the option of referring their cases for review to Zonal Office Claims Dispute Redressal Com or Central Office Claims Dispute Redressal Committee. A retired High Court/ District Court Judge is member of each of the Claims Dispute Redressal Committees. For redressal of Claims related grievances, claimants can also approach Insurance en who provides for low cost and speedy arbitration to cu

अनुबंध-II / Annexure - II

निहित बोनस पर गारंटीड अभ्यर्पण मूल्य कारक Guaranteed Surrender Value factors applicable to vested bonuse:						
		पॉलिसी अवधि / Policy Term				
		12	16	21		
	1	0.00%	0.00%	0.00%		
	2	0.00%	0.00%	0.00%		
	3	18.60%	17.58%	15.93%		
	4	19.18%	17.66%	16.22%		
	5	19.93%	17.85%	16.58%		
	6	20.85%	18.16%	17.03%		
ā	7	21.99%	18.60%	17.58%		
×,	8	23.38%	19.18%	17.58%		
Polic	9	25.05%	19.93%	17.66%		
गॉलिसी वर्ष / Policy Year	10	27.06%	20.85%	17.85%		
	11	30.00%	21.99%	18.16%		
Ę.	12	35.00%	23.38%	18.60%		
	13		25.05%	19.18%		
	14		27.06%	19.93%		
	15		30.00%	20.85%		
	16		35.00%	21.99%		
	17			23.38%		
	18			25.05%		
	19			27.06%		
	20			30.00%		
	21			35.00%		

Annexure - III

Assignment - As per Section 38 of the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- (1) A transfer or assignment of a policy of insurance, wholly or in part, whether with or without consideration, may be made only by an endorsement upon the policy itself or by a separate instrument, signed in either case by the transferor or by the assignor or his duly authorised agent and attested by at least one witness, specifically setting forth the fact of transfer or assignment and the reasons thereof, the antecedents of the assignee and the terms on which the assignment is made.
- (2) An insurer may, accept the transfer or assignment, or decline to act upon any endorsement made under sub-section(1), where it has sufficient reason to believe that such transfer or assignment is not bonafide or is not in the interest of the policyholder or in public interest or is for the purpose of trading of insurance policy.
- (3) The insurer shall, before refusing to act upon the endorsement, record in writing the reasons for such refusal and communicate the same to the policyholder not later than thirty days from the date of the policy-holder giving notice of such transfer or
- Any person aggrieved by the decision of an insurer to decline to act upon such transfer or assignment may within a period of thirty days from the date of receipt of the communication from the insurer containing reasons for such refusal, prefer a claim to the Authority.
- (5) Subject to the provisions in sub-section (2), the transfer or assignment shall be complete and effectual upon the execution of such endorsement or instrument duly attested but except, where the transfer or assignment is in favour of the insurer, shall not be operative as against an insurer, and shall not confer upon the transfere or assignee, or his legal representative, any right to sue for the amount of such policy or the moneys secured thereby until a notice in writing of the transfer or assignment and either the said endorsement or instrument itself or a copy thereof conflicted to be correct by both transferor and transferrer and transferrer. thereof certified to be correct by both transferor and transferee or their duly authorised agents have been delivered to the insurer:
 - Provided that where the insurer maintains one or more places of business in India such notice shall be delivered only at the place where the policy is being serviced.
- (6) The date on which the notice referred to in sub-section (5) is delivered to the insure shall regulate the priority of all claims under a transfer or assignment as between persons interested in the policy; and where there is more than one instrument of

लिए प्राथमिकता को विनियमित करेगी, तथा जहां अंतरण या समनुदेशन के एक से अधिक इंस्ट्रमेन्ट हो वहां ऐसे इंस्ट्रमेन्ट्स के अंतर्गत वावों की प्राथमिकता उस क्रम द्वारा शासित होगी, जिसमें उप–धारा (5) में संवर्भित नोटिस सुपुर्व किए गए हैं।

- समनुदेशितों के बीच भुगतान की प्राथमिकता के बारे में कोई विवाद उत्पन्न होने पर उसे प्राधिकारी को संदर्भित किया जाएगा।
- (7) उप-धारा (5) में संदर्भित नोटिस के प्राप्त होने पर, ऐसे अंतरण या समनुदेशन के तथ्य को उसकी तिथि तथा अंतरिती या समनुदेशित के नाम के साथ दर्ज करेगा तथा नोटिस देने वाले व्यक्ति द्वारा अनुरोध किए जाने पर, या अगर अंतरिती या समनुदेशित, विनियमों द्वारा निर्धारित की गई फीस के भुगतान पर, ऐसे नोटिस के प्राप्त होने की लिखित पावती देता है; और ऐसी किसी पावती को बीमाकर्ता के विरुद्ध इस बात का निष्कर्षी साक्ष्य माना जाएगा कि उसे पावती से संबंधित नोटिस विधिवत प्राप्त हुआ है।
- (8) अंतरण या समनुदेशन के नियमोँ तथा शर्तों के अधीन, बीमाकर्ता द्वारा, उप–धारा (5) में संदर्भित नोटिस की प्राप्ति की तिथि से, पॉलिसी के अंतर्गत लाभ के पात्र अंतरिती या समनुदेशित की पहचान करेगा या ऐसा व्यक्ति उन सभी दायिताओं तथा इक्विटियों के अधीन होगा, जिसका कि अंतरण या समनुदेशन की तिथि को अंतरणकर्ता या समनुदेशक पात्र था तुा वह पॉलिसी के संबंध में कोई कार्रवाई कर सकता है, वह पॉलिसी के अंतर्गत ऋण प्राप्त कर सकता है या अंतरणकर्ता या समनुदेशक की सहमति प्राप्त किए बिना पॉलिसी को अभ्यर्पण कर सकता है या उसे ऐसी कार्रवार्ड की एक पार्टी बना सकता है।
- स्पष्टीकरण सिवाय इसके कि जहां उप-धारा (1) में संदर्भित प्रष्ठांकन स्पष्ट रूप से उल्लेख करता हो कि समनुदेशन या अंतरण, यहां दी गई उप-धारा (10) के अंतर्गत सशर्त है, प्रत्येक समनुदेशन या अंतरण को पूर्ण समनुदेशन या अंतरण माना जाएगा तुा समनुदेशित या अंतरिती को, जैसी भी स्थिति हो, क्रमशः पूर्ण समनुदेशित या अंतरिती माना जाएँगा।
- (9) बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम 2015 के आरंभ होने से पहले किए गए किसी समनुदेशन या अंतरण से जीवन बीमा की पॉलिसी के किसी समनुदेशित या अंतरिती के अधिकार व उपचार इस धारा के प्रावधारों द्वारा प्रभावित नहीं होंगे।
- (10) किसी कानून के होने के बावजूद या ग्राहक की कानून के प्रतिकूल बाध्यता होने पर, व्यक्ति के पक्ष में समनुदेशन इस दशा में किया जा सकता है कि अ. पॉलिसी के अंतर्गत धनराशि पॉलिसीधारक या नामित व्यक्ति या नामित व्यक्तियों को उस दशा
 - में देय हो सकती है अगर समनुदेशित या अंतरिती की मृत्यु बीमाधारक से पहले हो जाती है; या
 - ब. बीमाधारक पॉलिसी की अवधि तक जीवित रहता है, मान्य होगा
- तथापि सशर्त समनुदेशित पॉलिसी को अभ्यर्पण करने या पॉलिसी पर ऋण लेने का पात्र नहीं होगा। (11) उप–धारा (1) के अंतर्गत बीमा पॉलिसी के आंशिक समनुदेशन या अंतरण की दशा में, बीमाकर्ता की दायिता आंशिक समनदेशन या अंतरण दारा सरक्षित की गई राशि तक सीमित होगी तथा ऐसा पॉलिसीधारक उसी पॉलिसी के अंतर्गत देय शेष राशि के लिए पून: समनुदेशन या अंतरण करने का पात्र नहीं होगा।

नामांकन_बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम,

- 1938 की धारा 39 के <u>अूसार</u> (1) जीवन बीमा की पॉलिसी का धारक अपने जीवन पर, पॉलिसी लेते समय या भुगतान हेतु पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय, किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को नामित कर सकता है, जिसे/जिन्हें उसकी मृत्यु की स्थिति में पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि का भुगतान किया जाएगा। शर्त यह है कि, अगर नामित व्यक्ति नाबालिंग हो, तो पॉलिसीधारक के लिए यह कानूनन उचित होगा कि बीमाकर्ता द्वारा निर्धारित तरीके से किसी व्यक्ति को नियुक्त करे जो कि नामित व्यक्ति के नाबालिंग रहने के दौरान पॉलिसीधारक की मृत्यु होने पर पॉलिसी द्वारा संरक्षित राशि को प्राप्त कर
- (2) ऐसे किसी नामांकन को प्रभावी होने के लिए, अगर वह पॉलिसी की शब्द योजना में निगमित नहीं है, तो उसे बीमित करने के लिए सूचित पॉलिसी पर पृष्ठांकन तथा पॉलिसी से संबंधित रिकॉर्ड्स में ु उसके द्वारा पंजीकरण के ज़रिए निगमित किया जाएगा, तथा ऐसे कोई नामांकन पॉलिसी के परिपक्व होने से पहले किसी भी समय भुगतान से पूर्व किसी पृष्ठांकन या वसीयत, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा रद्ध किए या बदले जा सकते हैं, लेकिन अगर इस प्रकार निरस्तीकरण या परिवर्तन के लिए बीमाकर्ता को लिखित में सचना न दी गई हो तो बीमाकर्ता पॉलिसी के अतंर्गत उसके द्वारा वास्तविक बनाए गए पॉलिसी की शब्द योजना में उल्लिखित या बीमाकर्ता के रिकॉर्ड्स में पंजीकृत नामांकित को किसी भुगतान के लिए दायी नहीं होगा।
- (3) बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसीधारक को नामांकन के पंजीकृत कराए जाने या उसके निरस्तीकरण या बदले जाने के बारे में लिखित पावती देगा तथा विनियमों द्वारा विनिर्धारित ऐसे निरस्तीकरण या परिवर्तन को पंजीकत करने के लिए शल्क भी ले सकता है।
- (4) धारा 38 के अनुक्रम में पॉलिसी में किसी अंतरण या समनुदेशन से नामांकन स्वत: रद्द हो जाएगा: शर्त यह है कि बीमाकर्ता को पॉलिसी का समनुदेशन, जो कि समनुदेशन के समय पॉलिसी पर जोखिम का वहन करता हो, उस बीमाकर्ता द्वारा पॉलिसी की जमानत पर, उसके अभ्यर्पण मूल्य या पुनः समनुदेशन के अंतर्गत हो, ऋण स्वरूप की भरपाई करने पर नामांकन रद्द नहीं होगा, लेकिन नामित के अधिकार केवल उस हद तक प्रभावित होंगे. जितना कि पॉलिसी में बीमाकर्ता का हित हो: आगे शर्त यह है कि पॉलिसीधारक को अंतरिति या समनुदेशित द्वारा अग्रिम रूप से दिए गए ऋण के प्रतिफल स्वरूप पॉलिसी का अंतरण या समनुदेशन, चाहे यह पूर्णतः हो या अंशतः, नामांकन रह नहीं होगा, लेकिन नामांकित व्यक्ति के अधिकारों को उसी हद तक प्रभावित करेगा, जो कि पॉलिसी में अंतरिती या समनुदेशित का हित होगा:
- शर्त यह भी है कि नामांकन जो कि अंतरण या समनुदेशन पर उसके परिणामस्वरूप अपने आप रद्द हुआ हो, वह नामांकन समनुदेशित द्वारा पुन: समनुदेशन या अंतरिती द्वारा ऋण के भुगतान पर सिवाय बीमाकर्ता को पॉलिसी की जमानत पर, पुन: अंतरण से स्वत: पुन: प्रचालित हो जाएगा।
- (5) जहां पॉलिसी की भुगतान हेतु परिपक्वता उस व्यक्ति के जीवनकाल में होती है जिसके जीवन को बीमित किया गया है या अगर नामित व्यक्ति या एक से अधिक नामितों में से सभी पॉलिसी के भुगतान हेतु परिपक्व होने से पहले मर जाते हैं, वहां पॉलिसी के अंतर्गत सुरक्षित राशि का भुगतान गॅलिसीधारक या उसके उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को, जैसी भी स्थिति हो, किया जाएगा।
- (6) जहां एक या अधिक नामित हों तथा एक या एक से अधिक नामित, उस व्यक्ति के बाद जीवित रहते हैं, जिसके जीवन को बीमित किया गया है, तो पॉलिसी द्वारा सुरक्षित की गई राशि का भुगतान ऐसे उत्तरजीवी या उत्तरजीवियों को किया जाएगा
- (7) इस धारा के अन्य प्रावधानों के अधीन, जहां बीमा पॉलिसी के धारक ने अपने जीवन पर अपने . माता/पिता या अपने जीवनसाथी या अपने बच्चों या अपने जीवन साथी और बच्चों या उनमें से किसी को नामित किया हो, ऐसे नामित उप-धारा (6) के अंतर्गत बीमाकर्ता द्वारा देय राशि के लिए लाभार्थी होंगे, जब तक कि यह साबित नहीं होता कि पॉलिसी का धारक, पॉलिसी में उसके टाइटल की प्रकृति के अनुसार नामांकित को ऐसा लाभार्थी टाइटिल प्रदान नहीं कर सकता है।
- (8) उपरोक्त कहे गए के अधीन, जहां नामित या अगर एक से अधिक नामित हों, जिन पर उप धारा (7) लागू होती है, पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि के भुगतान से पहले, लेकिन उस व्यक्ति जिसके जीवन के बीमित किया गया है, के बाद मर जाता है तो पॉलिसी द्वारा सरक्षित राशि या मरनेवाले नामित या नामितों जैसी भी स्थिति हो के हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाली पॉलिसी द्वारा सुरक्षित राशि का भुगतान नामित या नामितों के उत्तराधिकारियों या कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तरा प्रमाणपत्र के धारक, जैसी भी स्थिति हो, को किया जाएगा तथा वे ऐसी राशि को पाने के लिए अधिकत लाभार्थी होंगे।
- (9) उप-धाराओं (7) और (8) में कुछ भी जीवन बीमा की किसी पॉलिसी की आमदिनयों से किसी उधारदाता के अधिकार को नष्ट या समाप्त नहीं करेगा।
- (10) उप-धाराओं (7) और (8) के प्रावधान बीमा कानून (संशोधन) अधिनयम 2015 के आरंभ होने के बाद भुगतान के लिए परिपक्व होने वाली जीवन बीना की सभी पॉलिसियों पर लागू होंगे। (11) जहां पॉलिसीधारक की मृत्यु पॉलिसी के परिपक्व होने के बाद हुई हो, लेकिन पॉलिसी की आय

transfer or assignment the priority of the claims under such instruments shall be governed by the order in which the notices referred to in sub-section (5) are

Provided that if any dispute as to priority of payment arises as between assignees, the dispute shall be referred to the Authority.

- (7) Upon the receipt of the notice referred to in sub-section (5), the insurer shall record the fact of such transfer or assignment together with the date thereof and the name of the transferee or the assignee and shall, on the request of the person by whom the notice was given, or of the transferee or assignee, on payment of such fee as may be specified by the regulations, grant a written acknowledgement of the receipt of such notice; and any such acknowledgement shall be conclusive evidence against the insurer that he has duly received the notice to which such
- Subject to the terms and conditions of the transfer or assignment, the insurer shall, from the date of the receipt of the notice referred to in sub section (5), recognize the transferee or assignee named in the notice as the absolute transferee or assignee entitled to benefit under the policy, and such person shall be subject to all liabilities and equities to which the transferor or assignor was subject at the date of the transfer or assignment and may institute any proceedings in relation to the policy, obtain a loan under the policy or surrender the policy without obtaining the consent of the transferor or assignor or making him a party to such proceedings.
- Explanation Except where the endorsement referred to in sub-section (1) expressly indicates that the assignment or transfer is conditional in terms of subsection (10) hereunder, every assignment or transfer shall be deemed to be an absolute assignment or transfer and the assignee or transferee, as the case may be, shall be deemed to be the absolute assignee or transferee respectively.
- (9) Any rights and remedies of an assignee or transferee of a policy of life insurance under an assignment or transfer effected prior to the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015 shall not be affected by the provisions of
- (10) Notwithstanding any law or custom having the force of law to the contrary, an assignment in favour of a person made upon the condition that
 - a. The proceeds under the policy shall become payable to the policyholder or the nominee or nominees in the event of either the assignee or transferee predeceasing the insured; or
 - b. The insured surviving the term of the policy, shall be valid: Provided that a conditional assignee shall not be entitled to obtain a loan on the
- policy or surrender a policy. (11) In the case of the partial assignment or transfer of a policy of insurance under sub section (1), the liability of the insurer shall be limited to the amount secured by partial assignment or transfer and such policyholder shall not be entitled to further assign or transfer the residual amount payable under the same policy.

Annexure - IV

Nomination - As per Section 39 of the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- (1) The holder of a policy of life insurance on his own life may, when effecting the policy or at any time before the policy matures for payment, nominate the person or persons to whom the money secured by the policy shall be paid in the event of his
 - Provided that, where any nominee is a minor, it shall be lawful for the policy holder to appoint any person in the manner laid down by the insurer, to receive the money secured by policy in the event of his death during the minority of the nominee.
- Any such nomination in order to be effectual shall, unless it is incorporated in the text of the policy itself, be made by an endorsement on the policy communicated to the insurer and registered by him in the records relating to the policy and any such nomination may at any time before the policy matures for payment be cancelled or changed by an endorsement or a further endorsement or a will, as the case may be, but unless notice in writing of any such cancellation or change has been delivered to the insurer, the insurer shall not be liable for any payment under the policy made bona fide by him to a nominee mentioned in the text of the policy or registered in records of the insurer.
- (3) The insurer shall furnish to the policy holder a written acknowledgement of having registered a nomination or a cancellation or change thereof, and may charge such fee as may be specified by regulations for registering such cancellation or change.
- (4) A transfer or assignment of a policy made in accordance with section 38 shall

Provided that the assignment of a policy to the insurer who bears the risk on the policy at the time of the assignment, in consideration of a loan granted by that insurer on the security of the policy within its surrender value, or its reassignment on repayment of the loan shall not cancel a nomination, but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the insurer's interest in the policy:

Provided further that the transfer or assignment of a policy, whether wholly or in part, in consideration of a loan advanced by the transferee or assignee to the policyholder, shall not cancel the nomination but shall affect the rights of the nominee only to the extent of the interest of the transferee or assignee, as the case may be, in the policy:

Provided also that the nomination, which has been automatically cancelled consequent upon the transfer or assignment, the same nomination shall stand automatically revived when the policy is reassigned by the assignee or retransferred by the transferee in favour of the policyholder on repayment of loan other than on a security of policy to the insurer.

- (5) Where the policy matures for payment during the lifetime of the person whose life is insured or where the nominee or, if there are more nominees than one, all the nominees die before the policy matures for payment, the amount secured by the policy shall be payable to the policyholder or his heirs or legal representatives or the holder of a succession certificate, as the case may be.
- Where the nominee or if there are more nominees than one, a nominee or nominees survive the person whose life is insured, the amount secured by the policy shall be payable to such survivor or survivors.
- (7) Subject to the other provisions of this section, where the holder of a policy of Subject to the orner provisions of this section, where the holder of a policy of insurance on his own life nominates his parents, or his spouse, or his children, or his spouse and children, or any of them, the nominee or nominees shall be beneficially entitled to the amount payable by the insurer to him or them under sub-section (6) unless it is proved that the holder of the policy, having regard to the nature of his title to the policy, could not have conferred any such beneficial title on the nominee.
- Subject as aforesaid, where the nominee, or if there are more nominees than one, a subject as alloresald, where the nonlines, on interer are into entoninees mannine and nonnine and nomine or nominees, to whom sub-section (7) applies, die after the person whose life is insured but before the amount secured by the policy is paid, the amount secured by the policy, or so much of the amount secured by the policy as represents the share of the nominee or nominees so dying (as the case may be), shall be payable to the heirs or legal representatives of the nominee or nominees or the holder of a succession certificate, as the case may be, and they shall be beneficially entitled to such amount.
- (9) Nothing in sub-sections (7) and (8) shall operate to destroy or impede the right of any creditor to be paid out of the proceeds of any policy of life insurance.
- (10) The provisions of sub-sections (7) and (8) shall apply to all policies of life insurance maturing for payment after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act. 2015.
- (11) Where a policyholder dies after the maturity of the policy but the proceeds and

और हितलाभ का भुगतान उसे उसकी मृत्यु के कारण न हुए हों, तो उसके द्वारा नामित उसकी पॉलिसी के अंतर्गत आमदनी और हितलाभ को पाने का पात्र होगा।

(12) इस धारा के प्रावधान जीवन बीमा की ऐसी किसी पॉलिसी पर लागू नहीं होंगे, जिस पर धारा 6, विवाहित स्त्री सम्पत्ति अधिनियम 1874 लागू होता हो या कभी लागू किया गया हो। शर्त यह है कि, जहां बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 के आरंभ होने से पहले बीमित व्यक्ति केपत्नी या उसकी पत्नी तथा बच्चों या उनमें से किसी के पक्ष में अभिव्यक्त रूप से नामांकन किया गया हो, चाहे वह पॉलिसी पर ऑकत हो या नहीं, जैसा कि इस धारा के अंतर्गत किया गया है, कथित धारा 6 पॉलिसी पर लागू नहीं मानी जाएगी या लागू नहीं होगी।

<u>परिशिष्ट V</u>

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा यथासंशोधित बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 45 के अनुसार

- (1) जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी की तिथि से अर्थात पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुर्नचलन की तिथि से या पॉलिसी पर राइडर की तिथि से तीन वर्षों की समाप्ति पर, जो भी बाद में हो, किसी भी आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है।
- (2) जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को, पॉलिसी के जारी होने की तिथि या जोखिम आरंम होने की तिथि या पॉलिसी के पुर्नचलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर किसी भी समय, जो भी बाद में हो, धोखेधड़ी के आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है। शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या सममुदेशितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर यह फैसला लिया गया है।
- स्पष्टीकरण।: इस उप–धारा के प्रयोजन हेतु, 'धोखेधड़ी' का अर्थ है बीमाधारक या उसके एजेन्ट द्वारा बीमाकर्ता को धोखा देने या बीमाकर्ता को जीवन बीमा पॉलिसी जारी करने के लिए प्रभावित करने के इरादे से किया गया निम्नलिखित में से कोई कार्य:
- सुझाव, जो कि तथ्य रूप में सही नहीं है तथा जिसके सच होने पर बीमाधारक को विश्वास नहीं है;
 बीमाधारक द्वारा किसी तथ्य को छिपाना, जो उसकी जानकारी में था या उसकी वास्तविकता पर उसे विश्वास था:
- स. धोखेधडी के इरादे से उठाया गया कोई अन्य कदम; तथा
- द. कोई अन्य ऐसा कदम या मूल-चूक जिसे कानून विशेष रूप से धोखाधड़ी मानता हो। स्पष्टीकरण ॥: बीमाकर्ता द्वारा जोखिम के आकलन को प्रभावित करने वाले तथ्यों के बारे में सिर्फ़ चुप रहना धोखाधड़ी नहीं है, जब तक कि मानले की परिस्थितियों के अनूसार, बीमाधारक या उसके एजेन्ट का यह कर्तव्य है। बोलने से चुप रहना या अन्यथा उसकी खामोशी अपने आप में बोलने के बगबर हो।
- (3) उपधारा (2) में कुछ भी निहित होने के बावजूद, कोई भी बीमाकर्ता किसी जीवन बीमा पॉलिसी को धोखेधड़ी के आधार पर अरवीकृत नहीं कर सकता है, अक्षर बीमाधारक/लामार्थी यह प्रमाणित कर सके कि उसके द्वारा की गई गलतबयानी उसकी अधिकतम जानकारी के अनुसार सही थी और उसने जानबूझकर तथ्यों को छिपाने की कोशिश नहीं की या कथित गलतबयानी या महत्त्वपूर्ण तथ्य को छिपाया जाना बीमाकर्ता की जानकारी में था।
- धोखेधड़ी के मामले में इसे गलत साबित करने का दायित्व लाभार्थियों पर है अक्षर पॉलिसीधारक जीवित नहीं है।
- स्पष्टीकरण कोई व्यक्ति जो बीमा की संविदा का आग्रह और उसकी सौदेबाजी करता है उसे संविदा के प्रयोजन के लिए बीमाकर्ता का एजेन्ट माना जाएगा।
- (4) जीवन बीमा की किसी पॉलिसी को पॉलिसी के जारी करने की तिथि से या जोखिम के आरंभ होने की तिथि से या पॉलिसी के पुर्नचलन की तिथि से या पॉलिसी के राइडर की तिथि से तीन वर्षों के अंदर, जो भी बाद में हो, किसी भी समय, इस आधार पर प्रश्न के लिए बुलाया जा सकता है कि बीमित व्यक्ति के जीवनकाल से संबंधित किसी तथ्य को प्रस्ताव प्रश्न में या
- किसी अन्य कागजात में, जिसके आधार पर पॉलिसी जारी की गई थी या पुनर्चालित की गई थी या राइडर जारी किया गया था, छिपाया गया था या गलत दिखाया गया था।
- शर्त यह है कि बीमाकर्ता द्वारा बीमाधारक को या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामांकित व्यक्तियों या समनुदेशितों को लिखित में उन आधारों तथा तथ्यों के बारे में सूचित करना होगा, जिनके आधार पर जीवन बीमा को पॉलिसी को अस्वीकृत करने का यह फैसला लिया गया है। आगे शर्त यह है कि महत्त्वपूर्ण तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने के आधार पर पॉलिसी को
- आगे शर्त यह है कि महत्त्वपूर्ण तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने के आधार पर पॉलिसी को अस्वीकृत किए जाने तथा धोखेधड़ी की स्थिति न होने पर, अस्वीकृति की तिथि तक पॉलिसी पर जमा किए गए सभी प्रीमियमों का भुगतान बीमाधारक या बीमाधारक के कानूनी प्रतिनिधि या नामितों या समनुदेशितों को ऐसी अस्वीकृति की तिथि से नब्बे दिनों के अंदर कर दिया जाएगा।
- स्पष्टीकरण इस उप-धारा के प्रयोजन हेतु, किसी तथ्य की गलतबयानी या छिपाए जाने को तब तक महत्त्वपूर्ण नहीं माना जाएगा, जब तक कि उसका बीमाकर्ता द्वारा स्वीकार किए गए जोखिम पर कोई प्रत्यक्ष प्रमाव न हो, यह प्रमाणित करने का दायित्व बीमाकर्ता का होगा कि अक्षर बीमाकर्ता को स्थापित तथ्य की जानकारी होती तो वह बीमाधारक को यह जीवन बीमा पॉलिसी जारी नहीं करता।
- (5) इस धारा में निहित कुछ भी बीमाकर्ता को किसी भी समय उम्र का प्रमाण मांगने से नहीं रोकती है, अगर वह इसके लिए अधिकृत है तथा किसी पॉलिसी की सिर्फ़ इसलिए प्रश्न के लिए बुलाया नहीं जा सकता है क्योंकि प्रस्ताव में गलत उल्लेख की गई बीमित व्यक्ति की उम्र को सबूत के आधार पर बाद में समायोजित किया गया था।

- benefit of his policy has not been made to him because of his death, in such a case his nominee shall be entitled to the proceeds and benefit of his policy.
- (12) The provisions of this section shall not apply to any policy of life insurance to which section 6 of the Married Women's Property Act, 1874, applies or has at any time applied;

Provided that where a nomination made whether before or after the commencement of the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015, in favour of the wife of the person who has insured his life or of his wife and children or any of them is expressed, whether or not on the face of the policy, as being made under this section, the said section 6 shall be deemed not to apply or not to have applied to the policy.

Annexure - V

Section 45 as per the Insurance Act 1938, as amended by the Insurance Laws (Amendment) Act, 2015

- (1) No policy of life insurance shall be called in question on any ground whatsoever after the expiry of three years from the date of the policy, i.e. from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later.
- (2) A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later on the ground of fraud:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision is based.

Explanation I- For the purposes of this sub-section, the expression "fraud" means any of the following acts committed by the insured or by his agent, with the intent to deceive the insurer or to induce the insurer to issue a life insurance policy:-

- (a) the suggestion, as a fact of that which is not true and which the insured does not believe to be true;
- (b) the active concealment of a fact by the insured having knowledge or belief of the fact:
- (c) any other act fitted to deceive; and
- (d) any such act or omission as the law specially declares to be fraudulent.

Explanation II- Mere silence as to facts likely to affect the assessment of the risk by the insurer is not fraud, unless the circumstances of the case are such that regard being had to them, it is the duty of the insured or his agent, keeping silence to speak, or unless his silence is, in itself, equivalent to speak.

(3) Notwithstanding anything contained in subsection (2), no insurer shall repudiate a life insurance policy on the ground of fraud if the insured can prove that the misstatement of or suppression of a material fact was true to the best of his knowledge and belief or that there was no deliberate intention to suppress the fact or that such misstatement of or suppression of a material fact are within the knowledge of the insurer:

Provided that in case of fraud, the onus of disproving lies upon the beneficiaries, in case the policyholder is not alive.

Explanation – A person who solicits and negotiates a contract of insurance shall be deemed for the purpose of the formation of the contract, to be the agent of the insurance.

(4) A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later, on the ground that any statement of or suppression of a fact material to the expectancy of the life of the insured was incorrectly made in the proposal or other document on the basis of which the policy was issued or revived or rider issued:

Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured the grounds and materials on which such decision to repudiate the policy of life insurance is based:

Provided further that in case of repudiation of the policy on the ground of misstatement or suppression of a material fact, and not on the ground of fraud the premiums collected on the policy till the date of repudiation shall be paid to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured within a period of ninety days from the date of such repudiation.

Explanation - For the purposes of this sub-section, the misstatement of or suppression of fact shall not be considered material unless it has a direct bearing on the risk undertaken by the insurer, the onus is on the insurer to show that had the insurer been aware of the said fact no life insurance policy would have been issued to the insurer

(5) Nothing in this section shall prevent the insurer from calling for proof of age at any time if he is entitled to do so, and no policy shall be deemed to be called in question merely because the terms of the policy are adjusted on subsequent proof that the age of the life insured was incorrectly stated in the proposal.